शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 28 | गुवाहाटी | शनिवार, 29 अगस्त, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक मिसाइल खरीदेगा भारत, समझौते पर हस्ताक्षर किए पेज 2
असम में अगरवुड उद्योग को मजबूत करने की पहल का भाजपा ने किया स्वागत पेज 3
सरकार का मूल उद्देश्य अंत्योदय की भावना के साथ प्रत्येक पात्र योजनाओं ... पेज 5
खेलों से विकसित होता है अनुशासन व आत्मविश्वास : प्रो. एस के काबिया पेज 7

Door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet
ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

प्रकृति का कोप सभी कोपों से बड़ा होता है।
- आचार्य चाणक्य

नेपाल में फिर से बाढ़ का अलर्ट जारी सुरक्षित स्थानों पर भाग रहे लोग

काठमांडू। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने शुक्रवार को हिमालयी देश के बाढ़ प्रभावित इलाकों से निकाले गए भारतीय पर्यटकों से मुलाकात की। भारतीय दूतावास के प्रवक्ता के अनुसार, श्रीवास्तव ने त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दौरा किया और उन भारतीय नागरिकों को विदा किया जो शुक्रवार दोपहर इंडिगो की उड़ान (6ई1254) से काठमांडू से रवाना हुए थे। बुधवार को रसुवा और मध्य नेपाल के अन्य हिस्सों में अचानक आई भीषण बाढ़ के बाद इन पर्यटकों को बचाया गया था। इस बाढ़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने शुक्रवार को बताया कि विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल के विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों से कम से कम 121 विदेशी पर्यटकों को बचाया गया है, जिनमें 85 भारतीय शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने रसुवा, धाडिंग और नुवाकोट सहित कई जिलों से पर्यटकों को बचाया, जो बाढ़ से सबसे बुरी तरह प्रभावित थे। पर्यटन बोर्ड के अनुसार, बचाए गए पर्यटकों में नौ दक्षिण कोरियाई और 16 चीनी नागरिक भी शामिल थे। शुक्रवार को नेपाल में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 538 हो गई, क्योंकि सावधानीपूर्वक चलाए जा रहे खोज और बचाव अभियान के दौरान और शव बरामद किए गए। बयान में कहा गया है कि इस दुखद घटना के तीसरे दिन भी खोज और बचाव अभियान जारी रहा, जिसमें 7,451 सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया, जिनमें नेपाल सेना के 2,391 जवान शामिल थे। नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीआरआरएमए) ने शुक्रवार को कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में जहां विनाशकारी बाढ़ आई थी, वहां जल स्तर बढ़ने से इलाके में एक और बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। एनडीआरआरएमए ने खोज और बचाव कार्यों में लगे लोगों के साथ-साथ अलग-अलग वजहों से भोटेकोशी और त्रिशूली इलाकों में रह रहे लोगों से अपील की है कि वे बहुत सतर्क रहें और किसी भी तरह का खतरा महसूस होने पर तुरंत सुरक्षित जगहों पर चले जाएं। उधर नेपाल के -शेष पृष्ठ दो पर

अभी भी 320 भारतीय लापता : एमईए

नई दिल्ली। इस हफ्ते की शुरुआत में नेपाल के कई हिस्सों में आई भयानक अचानक बाढ़ से मरने वालों की संख्या कम से कम 475 हो गई है। वहीं, तिब्बत में चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार, कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 558 लोग लापता हैं, जिनमें 260 विदेशी शामिल हैं। नेपाल और चीन दोनों ने हिमालय में बाढ़ के नए खतरों की चेतावनी दी है, क्योंकि उनकी सीमा के दोनों ओर बनी दो झीलें उस इलाके में फटने का खतरा पैदा कर रही हैं जो इस प्राकृतिक आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। नेपाल की मलबे से भरी घाटियों और पहाड़ी इलाकों में खोज और बचाव अभियान अभी भी जारी है, और लगभग 1,000 लोग अभी भी लापता हैं। यह जानलेवा अचानक बाढ़ भोटेकोशी नदी से शुरू हुई थी। नेपाल टूरिज्म बोर्ड के अनुसार, भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में आई भयानक बाढ़ के बाद नेपाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों से कुल 121 विदेशी पर्यटकों को बचाया गया है, जिनमें 85 भारतीय नागरिक शामिल हैं। टूरिज्म बोर्ड ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया कि शुक्रवार, 28 अगस्त को दोपहर 3.30 बजे तक प्रभावित इलाकों से इन पर्यटकों को बचाया गया। बचाए गए 121 विदेशी नागरिकों में से -शेष पृष्ठ दो पर

भारत मदद करने के लिए तैयार

नेपाल ने ठुकराया रेस्क्यू का ऑफर

काठमांडु। नेपाल में बहुत बड़ी बाढ़ आई जिसमें अब तक कई सौ लोगों की मौत हो चुकी है। कई हजार लापता हैं। रेस्क्यू लगातार चल रहा है। लेकिन इसी बीच बालेन शाह ने मदद लेने से इंकार कर दिया है। दरअसल बालेन शाह ने दुनिया के सभी देशों को यह कह दी है बात कि उन्हें रेस्क्यू में किसी की मदद नहीं चाहिए। लेकिन सवाल भारत पर है कि भारत जब मदद कर रहा है भारत रेस्क्यू करवाने के लिए अपनी टीम भेजने के लिए तैयार था तो बालेन शाह क्यों मना कर रहे हैं? बालेन शाह के छोटे भाई हरीश कुमार ने कहा कि जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने और भारत ने नेपाल की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। यह साबित करता है कि हम दोनों सिर्फ पड़ोसी नहीं एक दूसरे के प्यारे भाई हैं। अगर इस लिहाज से भावना अच्छी है और कह रहा है कि अगर हम किसी से नहीं लेंगे तो ईश्वर करें कि नेपाल को वो शक्ति दे कि अपने पैरों पर स्वयं ही खड़ा हो सके। नेपाल की डेमोग्राफी इस तरह से है कि हिमालय के उस पार चाइना है। तो चीन जो भी मदद करेगा उसको पूरा हिमालयन क्रॉस करके आना पड़ेगा तब मदद पहुंचाएगा। भारत के साथ ऐसी बात है कि भारत चारों तरफ से बिलकुल मदद भेज सकता है। खास करके पूरा मधेशी इलाका पूरा यूपी -शेष पृष्ठ दो पर

सिंधु नदी पर भारत बनाएगा 36 डैम्स

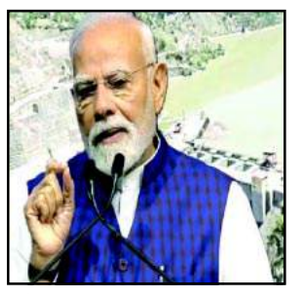

नई दिल्ली। लद्दाख से ऐसी खबर आई है जो पाकिस्तान के लिए 1.4 बिलियन लीटर के शौक से कम नहीं है। लद्दाख प्रशासन ने एक मास्टर प्लान तैयार किया है सिंधु नदी के सीने पर एक साथ 36 डैम्स का जाल बिछाने का। वो पानी जो अब तक खैरात में सरहद पार जा रहा था, अब भारत की बंजर जमीन को सोना बनाने वाला है। मात्र 56 करोड़ के बजट में लद्दाख ने वो दांव खेल दिया है जो पाकिस्तान के रणनीतिकारों ने सोचा भी नहीं था। दरअसल लद्दाख के एलजी हैं विनय कुमार सक्सेना जी जिन्होंने प्रपोजल जलशक्ति मंत्रालय को भेज दिया है। उसकी बारीकियां अब आप भी समझ लीजिए। यह कोई साधारण इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट नहीं है। यह लद्दाख की भूगोल और पाकिस्तान की टेंशन बदलने वाला कदम है। अब भारत का एक्शन प्लान क्या है? पहला प्लान है लेह में सात रॉक डैम्स। यह बनेंगे सिंधु यानी कि इंडस रिवर के ऊपर। दूसरा प्लान है कारगिल में 29 आरसीसी डैम्स। यह बनेंगे सुरू नदी पर जो सिंधु की सबसे ताकतवर ट्रिब्यूटरीज में से एक है। अब हैरानी -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ प्रभावित नेपाल में फंसे लोगों की वापसी सुनिश्चित करने के प्रयास जारी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण फंसे राज्य के लोगों की सुरक्षा और वापसी सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। हालांकि, उन्होंने राज्य से लापता लोगों की संख्या का उल्लेख नहीं किया। हमें नेपाल में जारी बाढ़ के बीच असम के लोगों के फंसे होने की जानकारी है। हम उनके परिवारों के संपर्क में हैं और उनकी सुरक्षा और जल्द से जल्द घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहे हैं, शर्मा ने एक्स कार्यक्रम में कहा। मुख्य सचिव रवि कोटा ने कहा कि राज्य सरकार को नेपाल में अपने रिश्तेदारों या प्रियजनों के बारे में जानकारी मांगने वाले परिवारों से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। राज्य सरकार ने नई दिल्ली स्थित असम हाउस में बाढ़ से संबंधित आपातकालीन सहायता केंद्र स्थापित किया है और हेल्पलाइन नंबर 011-23010299/98 और 28877111 (आपातकालीन सहायता नंबर), 9101089151 (अनुरन मेधी) और 892057057 (विनोद कलिता) हैं। मध्य नेपाल में अचानक आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 469 हो गई, कुछ और शव बरामद -शेष पृष्ठ दो पर

उमरांगसो, हाफलांग और डीफू हो सकता है शिलांग का विकल्प : सीएम डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के पहाड़ी स्थलों को प्रमुख पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित करने के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान किया है, और उमरांगसो, हाफलांग और डीफू को उन स्थानों में शामिल किया है जो शिलांग के विकल्प के रूप में उभर सकते हैं। नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि असम के दर्शनीय स्थलों में पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है, साथ ही पर्यटन क्षेत्र पर निर्भर लोगों के लिए नए आर्थिक अवसर पैदा करने की भी क्षमता है। शिलांग कभी हमारी राजधानी हुआ करती थी, और हमारे लोग शिलांग जाना पसंद करते हैं, शर्मा ने कहा, साथ ही यह भी जोड़ा कि डीफू, हाफलांग और उमरांगसो जैसे स्थलों को अब और अधिक आक्रामक रूप से विकसित और बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से उमरांगसो पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि बुनियादी ढांचे और संपर्क को मजबूत किया जाता है तो यह गंतव्य अंततः पर्यटन स्थल के रूप में शिलांग के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकता है। उन्होंने उमरांगसो और माजुली में प्रस्तावित हवाई अड्डों का भी जिक्र किया और कहा कि इन परियोजनाओं पर नई दिल्ली में चर्चा हुई है। शर्मा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों हवाई अड्डे उनके कार्यकाल में पूरे हो जाएंगे। असम के अपने पर्यटन सर्किट पर जोर ऐसे समय में दिया जा रहा है जब असम में पंजीकृत वाहनों से जुड़ी घटनाओं और मेघालय में हुए विरोध -शेष पृष्ठ दो पर

पेंगुइन इंडिया नहीं छापेगा सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग

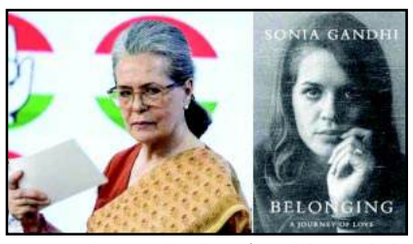

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब *बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव* को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। पहले खबर आई थी कि पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने इस किताब के प्रकाशन से हाथ खींच लिया है, क्योंकि पांडुलिपि में प्रस्तावित संपादकीय बदलावों को लेकर लेखिका से असहमति हो गई थी, लेकिन अब पेंगुइन इंडिया ने इसको लेकर आधिकारिक स्टेटमेंट जारी किया है और कहा है कि पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया भारत में बिलॉन्गिंग का प्रकाशक नहीं है। यह सुझाव या दावा कि पेंगुइन -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में भाजपा विधायक के घर के पीछे बम विस्फोट

मुख्यमंत्री ने घटनास्थल का किया निरीक्षण

इंफाल। मणिपुर में हिंसा और तनाव के बीच इंफाल पश्चिम जिले के कोंथौजाम क्षेत्र से भाजपा विधायक और राज्य सरकार के प्रवक्ता सापम रंजन सिंह के आवास परिसर में शुक्रवार तड़के बम विस्फोट हुआ। पुलिस के अनुसार, विस्फोट रात करीब 1.30 बजे विधायक के आवास के पीछे हुआ। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। विस्फोट की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि विस्फोटक किस प्रकार का था और घटना के पीछे किन लोगों का हाथ है। मुख्यमंत्री युम नाम खेमचंद सिंह ने शुक्रवार दोपहर विधायक के आवास पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। -शेष पृष्ठ दो पर

जुबीन गर्ग मामले में सिद्धार्थ शर्मा की याचिका पुन: खारिज

गुवाहाटी (हिंस)। गायक जुबीन गर्ग की मौत से जुड़े मामले में जुबीन के तत्कालीन मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा द्वारा दायर याचिका को गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया है। सिद्धार्थ शर्मा ने सिंगापुर की कार्नर्स कोर्ट की रिपोर्ट को मामले में संलग्न करने की अनुमति मांगते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने याचिका खारिज कर दी और फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

गुवाहाटी-दिल्ली रेल मार्ग को जल्द मिलेगा चार ट्रैक का नेटवर्क : डॉ. शर्मा

नई दिल्ली /गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि गुवाहाटी और दिल्ली के बीच रेलवे मार्ग को चार पटरियों तक विस्तारित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में यात्री और माल ढुलाई संपर्क में सुधार होने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा कि देश भर में सात रेलवे ट्रैक को चार-ट्रैक कॉरिडोर में बदलने का काम पहले से ही तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरायघाट में ब्रह्मपुत्र नदी पर दूसरे -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिक्स घोषणापत्र पर फंसा पेंच, सदस्य देशों से भारत की खुलकर बातचीत

नई दिल्ली। नई दिल्ली में होने वाला आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत के लिए कूटनीतिक तौर पर काफी अहम होने जा रहा है। 12 और 13 सितंबर को होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले भारत सदस्य देशों के साथ लगातार बातचीत कर रहा है, ताकि बैठक के अंत में सभी की सहमति से एक साझा घोषणापत्र जारी किया जा सके। सबसे बड़ी चुनौती पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, समुद्री व्यापार और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर अलग-अलग सदस्य देशों के मतभेदों को दूर करना है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक भारत इन मुद्दों पर सभी देशों के साथ खुलकर चर्चा कर रहा है और ऐसी भाषा पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहा है, जिस पर पूरा समूह एक साथ खड़ा हो सके। यह चुनौती इसलिए भी बड़ी है क्योंकि ब्रिक्स में अब पहले के मुकाबले ज्यादा देश शामिल हैं और इनके हित कई मुद्दों पर एक-दूसरे से अलग हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ईरान के राष्ट्रपति मसूद -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर और ओडिशा समेत कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (हि.स.)। उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बन रहे कम दबाव के क्षेत्र के चलते पूर्वी, पूर्वोत्तर और पश्चिमी तटीय राज्यों में बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों तक उमस भरी गर्मी से खास राहत मिलने का अनुमान नहीं है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार राजधानी में शनिवार (29 अगस्त) को आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है, जहां अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। 30 और 31 अगस्त को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। इन दिनों अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि हल्की बारिश के पूर्वानुमान के बावजूद शुक्रवार का दिन भी राजधानी में उमस भरा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों पर कम दबाव का क्षेत्र बनने से मानसून पूर्वी हिस्सों में पूरी तरह सक्रिय रहेगा। ओडिशा के कई हिस्सों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक मिसाइल खरीदेगा भारत, समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने अमेरिका से टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली एफजीएम-148 जैवलिन खरीदने का समझौता किया है। अमेरिकी राजदूतावास की प्रवक्ता डाना जिए ने शुक्रवार को यहां कहा कि हम पुष्टि कर सकते हैं कि भारत ने जैवलिन प्रणाली के लिए प्रस्ताव और स्वीकृति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि अमेरिका, अमेरिकी विदेशी सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली की खरीद के लिए लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) पर भारतीय सेना के हस्ताक्षर का स्वागत करता है। यह उपलब्धि अमेरिकी और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच स्थायी साझेदारी को दर्शाती है और अमेरिकी तथा भारतीय रक्षा उद्योगों के बीच भविष्य में सहयोग का मार्ग प्रशस्त करती है। समझौते पर हस्ताक्षर के साथ, भारत जैवलिन प्रणाली का ग्राहक बन गया है, जो एक उन्नत, मध्यम दूरी की फायर-एंड-फॉरगेट एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है। जैवलिन का उपयोग अमेरिकी सेना, अमेरिकी मरीन कॉर्प्स और कई अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों द्वारा किया जाता है तथा इसे बख्तरबंद वाहनों और सुदृढ़ ठिकानों सहित विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों के विरुद्ध उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। जैवलिन प्रणाली का उत्पादन जैवलिन संयुक्त उपक्रम द्वारा किया जाता है, जो आरटीएक्स और लॉकहीड मार्टिन की साझीदारी है। इससे पहले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की कि भारत युद्ध में परखी जा चुकी एफजीएम-148 जैवलिन टैंक-रोधी मिसाइल प्रणाली को अमेरिका से खरीदने जा रहा है। उन्होंने इसे अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में बड़ी प्रगति बताया। गोर ने एक्स पर लिखा कि बड़ी खबर! भारत ने युद्ध में परखी जा चुकी जैवलिन एंटी-टैंक प्रणाली खरीदने की योजना बनाई है। जैसा कि अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने मई 2026 में हुए शांगरी-ला संवाद में बताया था, यह अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में एक बड़ा कदम है और सह-उत्पादन की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हमारे दोनों देशों के बीच सहयोग रिकॉर्ड उच्च स्तर पर है। बयान में अमेरिकी रक्षा सचिव के मई 2026 के शांगरी-ला संवाद में दिए गए बयान का हवाला दिया गया है और लगभग साढ़े चार करोड़ डॉलर मूल्य की जैवलिन मिसाइलों की प्रारंभिक बिक्री के लिए साल 2025 में अमेरिका द्वारा दी गई मंजूरी के आधार पर संभावित सह-उत्पादन के अवसरों पर प्रकाश डाला गया है। यह घटनाक्रम गहरी रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है, जिससे भारत की कवच रोधी क्षमताओं में वृद्धि होती है और संयुक्त रक्षा विनिर्माण लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जाता है। बयान में कहा गया है कि यह ऐतिहासिक हस्ताक्षर भारतीय सेना को जारी अमेरिकी समर्थन की गहराई को प्रदर्शित करते हुए अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी को और मजबूत करता है। यह परस्पर लाभकारी सह-उत्पादन पर चर्चाओं और दोनों देशों के रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त अवसरों का मार्ग भी खोलता है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी विदेशी सैन्य बिक्री प्रक्रिया के माध्यम से जैवलिन मिसाइल खरीदने जा रहा है। इसमें 100 मिसाइल राउंड, प्रशिक्षण उपकरण और लॉन्च यूनिट शामिल हैं, जो प्रारंभिक रूप से 4.57 करोड़ डॉलर के पैकेज में शामिल हैं।

भारी बारिश से गुवाहाटी के कई इलाके जलमग्न

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में शुक्रवार को एक बार फिर हुई भारी बारिश के कारण शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए। कई स्थानों पर गंभीर जलजमाव के साथ बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं। लालमाटी, चांदमारी, नबीन नगर, अनिल नगर, हाथीगांव, मालिगांव जोराबाट समेत कई इलाकों में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जोराबाट के 9 माइल और 10 माइल इलाके समेत गुवाहाटी के कई हिस्सों में भारी जलजमाव के कारण कृत्रिम बाढ़ जैसी स्थिति देखी जा रही है। जोराबाट की ओर यात्रा करने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, क्योंकि जलभराव के कारण सड़कों पर आवागमन प्रभावित हो रहा है।

धार की ऐतिहासिक भोजशाला में गूंजा हनुमान चालीसा पाठ

पीछे की जमीन पर हुई जुमे की नमाज

भोपाल (हि.स.)। उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई अंतरिम व्यवस्था के तहत मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय ऐतिहासिक भोजशाला के पीछे खसरा नंबर 612 की भूमि पर मुस्लिम समाज ने शुक्रवार को जुमे की नमाज अदा की, जबकि भोजशाला परिसर में हिंदू श्रद्धालुओं ने दोपहर 1 से 3 बजे तक हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। इस दौरान भोजशाला के रास्ते में दरी बिछाकर नमाज पढ़ने की कोशिश की गई, जिसे प्रशासन ने रोक दिया। दरअसल, उच्चतम न्यायालय के आदेश पर जिला प्रशासन ने धार में भोजशाला परिसर से सटी पीछे वाली खसरा नंबर 612 की जुमे की नमाज के लिए निर्धारित की है। शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय ने इसी जमीन पर नमाज अदा की, जबकि भोजशाला परिसर के अंदर हिंदू समुदाय ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। दोनों आयोजनों में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए भोजशाला और आसपास के क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस बार जुमे की नमाज में शामिल होने वालों की संख्या पिछली बार की तुलना में अधिक नजर आई। खसरा नंबर 612 की भूमि पर जगह कम पड़ने पर कुछ लोग लक्कड़ पीठा क्षेत्र की ओर जाने वाले मार्ग पर बरसाती और दरी बिछाकर नमाज की तैयारी करने लगे। इसकी जानकारी मिलने पर एएसपी विजय डावर मौके पर पहुंचे। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के लोगों से कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश खसरा नंबर 612 की भूमि पर नमाज के लिए हैं, इसलिए सड़क पर नमाज की व्यवस्था नहीं की जा सकती। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने पास में रखी लकड़ियां हटाने की मांग रखी। एएसपी ने उन्हें इस संबंध में एसडीएम को आवेदन देने की बात कही। उन्होंने कहा कि रास्ते पर बरसाती बिछाने की अनुमति नहीं है और पूर्व में हुई बैठक में भी इस संबंध में स्थिति स्पष्ट की जा चुकी है। पुलिस के समझाने के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने निर्धारित स्थान पर ही नमाज अदा की और स्थिति सामान्य रही। नमाज के लिए मुस्लिम समाज के लोग दोपहर करीब एक बजे से खसरा नंबर 612 पहुंचना शुरू हुए और दोपहर तीन बजे तक नमाज की प्रक्रिया पूरी हुई। इसके बाद नमाजी भोजशाला के पीछे वाले रास्ते से राधू टाकीज मार्ग होते हुए कमाल मौलाना दरगाह पहुंचे।

अमृतसर में करोड़ों की हेरोइन व हथियारों समेत छह लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल अमृतसर और काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर ने अलग-अलग दो ऑपरेशन चलाकर हथियार और नशा तस्करी से जुड़े मॉड्यूल का पर्दाफाश किया। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से करीब 2 किलो 920 ग्राम हेरोइन और 8 हाई-एंड पिस्तौल बरामद की गई हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपित सीमा पार से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी से जुड़े हुए थे। पुलिस के मुताबिक ड्रोन के जरिए सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की खेप पंजाब पहुंचाई जा रही थी। इसके बाद इसे आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों तक पहुंचाया जाना था। मामले में स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल अमृतसर थाने में अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं।

देश में रक्षाबंधन की धूम, सबसे पहले उज्जैन में महाकाल को बांधी गई राखी

उज्जैन (हि.स.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में रक्षाबंधन पर्व पर देश की सबसे पहली राखी भगवान महाकाल को अर्पित की गई। शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे आयोजित भस्म आरती के दौरान पुजारी परिवार की महिलाओं ने बाबा महाकाल को दो फीट लंबी विशेष राखी बांधी और सवा लाख लड्डुओं का महाभोग लगाया। धार्मिक नगरी उज्जैन में रक्षाबंधन के पावन पर्व का शुभारंभ सबसे पहले बाबा महाकाल के दरबार से हुआ। शुक्रवार तड़के भस्म आरती के दौरान पुजारी परिवार की महिलाओं ने भगवान महाकाल को रक्षासूत्र बांधकर देश और समाज की खुशहाली की कामना की। मान्यता के अनुसार, सनातन परंपरा के सभी प्रमुख पर्वों की शुरुआत सबसे पहले राजाधिराज महाकाल के आंगन से ही होती है। राखी बांधने की इस पावन परंपरा के लिए पुजारी ओम गुरु और राजेश शर्मा के परिवार की महिलाएं रात करीब दो बजे ही मंदिर परिसर पहुंच गईं। भस्म आरती में बाबा महाकाल को भस्म अर्पित किए जाने के बाद मंत्रोच्चार के बीच दो फीट लंबी भव्य राखी भगवान के स्वरूप पर समर्पित की गई। पूरे सावन माह व्रत-उपवास रखने वाली महिलाओं ने इस प्रसाद को ग्रहण कर अपना व्रत खोला और इसके बाद अपने भाइयों को राखी बांधी। रक्षाबंधन और श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर बाबा महाकाल को सवा लाख शुद्ध देसी घी के लड्डुओं का महाभोग लगाया गया।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.73PSC/CON/Exam-03/2025-2026

RESULT

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 28th August, 2026, the result of the recruitment for the post of **Assistant Director of Cottage Industries and its equivalent posts under Industries & Commerce Department. (Advt. No.06/2025 dated 11.02.2025).**

The Interviews for the said posts was conducted by the Commission on 28th August, 2026. The Commission recommended the following candidates for the said posts in order of merit.

Name of Post : **Assistant Director of Cottage Industries and its equivalent posts.**
Total No. of posts : **2 (RF W: Nil) | PWBD: Nil, Ex-Servicemen: Nil**
Break up : **OC- 1, OBC/MOBC- 1**

Postion	Roll No.	Name of Candidate	Category	Gender	Recommended against Vacancy
1	10023	BITOPAN SARMA	GEN	M	OPEN CATEGORY
2	10056	MANASH PRATIM BORUAH	OBC	M	RESERVED

NB : Results may be accessed through the APSC's website www.apsc.nic.in

-- DIPR /D/VBS-54/29-Aug-26

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

पृष्ठ एक का शेष

नेपाल में फिर से ...

अधिकारियों ने बाढ़ की एक नई चेतावनी जारी की, क्योंकि सीमा के तिब्बत की तरफ ऊपर की ओर बनी एक झील का बांध टूट गया है। नेपाल पुलिस ने एक बयान में कहा जानकारी मिली है कि तिब्बत की तरफ पानी का एक बांध फिर से टूट गया है। बचाव और राहत कार्यों में लगे सभी सुरक्षा कर्मियों, बचाव कर्मियों और आम लोगों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें और तुरंत सुरक्षित जगह पर चले जाएं या घटना की सूचना दें। शुक्रवार सुबह पुलिस ने बताया कि नेपाल में अचानक आई बाढ़ से अब तक 469 लोगों की मौत हो चुकी है और अधिकारी राहत और बचाव कार्य में तेजी ला रहे हैं। हालांकि, उन्हें डर है कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि सैकड़ों विदेशी नागरिकों समेत 1,400 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। नेपाल के अधिकारियों के अनुसार, बुधवार की त्रासदी के बाद से 30 से ज्यादा देशों के विदेशी नागरिक लापता हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) के आंकड़ों के मुताबिक, इनमें 288 भारतीय हैं, जिनमें एक पावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे 73 लोग भी शामिल हैं। नई दिल्ली, लापता लोगों का पता लगाने और बचाव कार्य में हिमालयी देश की मदद करने के लिए काठमांडू के साथ मिलकर काम कर रही है। जहां नेपाल में अचानक आई बाढ़ से 469 लोगों की मौत हुई, वहीं चीन के सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि तिब्बत में भी तीन लोगों की मौत हुई है। मीडिया ने यह भी बताया है कि आपदा प्रभावित इलाके से 499 स्थानीय निवासियों और 555 पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है, क्योंकि हालात अभी भी गंभीर बने हुए हैं। चीन के सरकारी मीडिया ने कहा है कि अधिकारियों ने बुधवार को हुए मडस्लाइड (कीचड़ और मलबे के बहाव) के बाद बनी एक झील से बाढ़ के ज्यादा खतरे की चेतावनी दी है। मीडिया के अनुसार, अगले तीन दिनों के लिए भारी बारिश का अनुमान है, जिसके चलते अधिकारियों को चेतावनी जारी करनी पड़ी है कि झील के टूटने और बाढ़ का पानी नीचे की ओर बहने का काफी ज्यादा खतरा है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने गुरुवार देर रात बताया कि अनुमानों के मुताबिक, लगातार बारिश के बीच अगले तीन दिनों में झील में लगभग 30 लाख क्यूबिक मीटर पानी आ सकता है। इससे झील के टूटने का खतरा बढ़ जाएगा, जिससे बाढ़ का पानी नीचे की ओर बह सकता है और ग्यिरोंग पोर्ट समेत नीचे के इलाकों में और नुकसान हो सकता है।

अभी भी 320 भारतीय ...

85 भारतीय हैं, जो सबसे बड़ा समूह है। बाकी लोगों में 16 चीनी नागरिक, नौ दक्षिण कोरियाई, दो अमेरिकी, दो रूसी और दो इतालवी शामिल हैं। बुल्गारिया और स्विट्जरलैंड से भी एक-एक पर्यटक को बचाया गया है, जबकि तीन अन्य की राष्ट्रीयता की पुष्टि अभी बाकी है। आपदा प्रबंधन अधिकारी के अनुसार, जब तक दो झीलें पूरी तरह खाली नहीं हो जातीं, तब तक बाढ़ का खतरा बना रहेगा। अधिकारी ने बताया कि नेपाल सीमावर्ती शहर तिमुरे के पास समेत नदी के बहाव की दिशा में नीचे की ओर कैमरे और सेंसर लगाने की योजना बना रहा है और हेलीकॉप्टर तैनात करने के विकल्पों पर भी विचार कर रहा है। नेपाल में आई भयानक बाढ़ के बाद बचाए गए 117 पर्यटकों में 85 भारतीय शामिल हैं। पर्यटन मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार, बचाए गए पर्यटकों में 16 चीनी नागरिक, नौ दक्षिण कोरियाई, दो इतालवी और दो अमेरिकी नागरिक भी शामिल हैं।

नेपाल ने ठुकराया...

पूरा बिहार पूरा ट्रांसपोर्ट फैसिलिटीज है। जब भी नेपाल पे मुसीबत आई है चाहे भूकंप आया हो या बाढ़ आया हो भारत ने मदद की है। इस आपदा का दायरा बहुत बड़ा है। नेपाल पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि 469 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1,545 लोगों को बचाया गया है और वे घायल हैं। आपदा प्रबंधन अधिकारियों के अनुसार, लगभग 1,000 लोग लापता हैं, जिनमें 28 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं जिनका कोई पता नहीं चल पाया है। नेपाल पुलिस ने खोज और बचाव कार्यों के लिए 4,348 कर्मियों को तैनात किया है। अधिकारियों ने रसुवा से 644, नुवाकोट से 898 और धाडिंग से तीन लोगों को बचाया है। लापता लोगों में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, 178 भारतीय, 65 अमेरिकी, 51 मलेशियाई, 53 यूक्रेनी, 33 ब्रिटिश, 35 ऑस्ट्रेलियाई और 25 कनाडाई नागरिकों के साथ-साथ दर्जनों अन्य देशों के नागरिक भी लापता हैं। चीनी अधिकारियों ने भी कहा है कि कम से कम 100 चीनी नागरिकों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। इसके बावजूद, नेपाल ने अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय और मानवीय सहायता का स्वागत किया है। अमेरिका ने 5,00,000 डॉलर की सहायता का वादा किया है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आपातकालीन चिकित्सा सामग्री भेजी है। विदेश मंत्रालय ने बाढ़ से प्रभावित विदेशी नागरिकों के लिए जानकारी, खोज और बचाव प्रयासों तथा कांसुलर सहायता के समन्वय के लिए एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया है।

बाढ़ प्रभावित नेपाल में ...

किए गए। अब तक विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों से 1,545 घायल और फंसे हुए लोगों को बचाया जा चुका है। इनमें से 84 लोगों का काठमांडू के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। नेपाल पुलिस के एक बयान के अनुसार, इस दुखद घटना के तीसरे दिन भी खोज और बचाव अभियान जारी रहा, जिसमें 2,391 नेपाल सेना कर्मियों सहित 7,451 सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया था। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास हिमखंड के ढहने से उत्पन्न हिम-चट्टान हिमस्खलन ने बुधवार को मध्य नेपाल में पानी, कीचड़ और मलबे का तेज बहाव ला दिया, जिससे कस्बों और गांवों में तबाही मच गई, घर, वाहन, सड़कें और पुल बह गए और पनबिजली परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं।

उमरांगसो, हाफलांग और ...

प्रदर्शनों के बाद असम और मेघालय के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। शर्मा ने कहा कि दोनों राज्य सरकारों ने स्थिति से निपटने और लोगों और वाहनों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए हस्तक्षेप किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि हाल के घटनाक्रमों ने असम के लिए अपने पर्यटन स्थलों को मजबूत करने की आवश्यकता को उजागर किया है। मुख्यमंत्री की टिप्पणियों ने असम के लिए एक व्यापक प्रश्न पर ध्यान केंद्रित किया है: क्या इसके कम विकसित पहाड़ी स्थलों को मौसमी या विशिष्ट आकर्षण बने रहने के बजाय बड़े पैमाने पर पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में परिवर्तित किया जा सकता है। दीमा हसाओ में उमरांगसो, राज्य का प्रमुख हिल स्टेशन हाफलांग और कार्बी आंग्लांग में डीफू, पहाड़ियों और जलाशयों से लेकर जंगलों और स्वदेशी सांस्कृतिक अनुभवों तक, विभिन्न प्रकार के परिदृश्य और पर्यटन संभावनाएं प्रदान करते हैं। बेहतर हवाई और सड़क संपर्क, आवास, पर्यटक सुविधाएं और निरंतर प्रचार यह निर्धारित कर सकते हैं कि क्या ये गंतव्य पूर्वोत्तर के पर्यटक यातायात का एक बड़ा हिस्सा अवशोषित कर सकते हैं। असम के लिए, इस प्रयास का अर्थ काजीरंगा, माजुली और गुवाहाटी जैसे स्थापित आकर्षणों से परे पर्यटन में विविधता लाना और राज्य के पहाड़ी जिलों में नए आर्थिक केंद्र बनाना भी हो सकता है।

पेंगुइन इंडिया नहीं छापेगा ...

इंडिया ने बिलॉन्गिंग को प्रकाशित न करने का फैसला इसलिए लिया, क्योंकि लेखिका ने संपादकीय बदलावों से इनकार कर दिया था, परिस्थितियों को सही ढंग से नहीं दर्शाता है। पेंगुइन इंडिया ने अपने स्टेटमेंट में आगे कहा है कि एक प्रकाशक के रूप में तथ्यों की जांच करना और लेखकों को ऐसे सुझाव देना जो उनकी किताबों के सर्वोत्तम हित में हों, हमारा विशेषाधिकार और जिम्मेदारी दोनों है। यह प्रकाशन प्रक्रिया का एक सामान्य हिस्सा है। प्रासंगिक चर्चाओं के दौरान पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया का रुख हमेशा यही रहा कि हम इस किताब को प्रकाशित करने के लिए तैयार और उत्सुक थे। इसके बाद पेंगुइन इंडिया ने लेखिका के साथ हुई गोपनीय चर्चाओं पर आगे किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। किताब के प्रकाशन को लेकर पहले जो रिपोर्ट सामने आई थी, उसमें दावा किया गया था कि पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने किताब के एक भाग में विशेष बदलाव की मांग की थी। हालांकि, सोनिया गांधी ने प्रस्तावित बदलावों को अस्वीकार कर दिया और अपनी किताब में कोई भी संशोधन करने से इनकार कर दिया। इस असहमति के कारण आखिरकार पेंगुइन इंडिया ने किताब छापने से इनकार कर दिया। अब पेंगुइन इंडिया ने खुद ही किताब नहीं छापने की जानकारी दे दी। हालांकि कहा जा रहा है कि इस विवाद की वजह से किताब के अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन पर कोई असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। सोनिया गांधी की ये आत्मकथा बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव 10 नवंबर 2026 को वैश्विक स्तर पर लॉन्च के लिए निर्धारित है और अमेरिका में इसे पेंगुइन रैंडम हाउस के एक प्रकाशन अल्फ्रेड ए. नोपफ द्वारा प्रकाशित किया जाएगा। वहीं, यह भी कहा जा रहा है कि हार्परकॉलिन्स इंडिया कथित तौर पर भारत में इस किताब के प्रकाशन और डिस्ट्रीब्यूशन के लिए एक समझौते को अंतिम रूप देने के करीब है।

मणिपुर में भाजपा विधायक...

विधायक सापम रंजन सिंह ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि विस्फोट की तेज आवाज सुनने के बाद उन्हें पता चला कि उनके आवास के पीछे विस्फोट हुआ है। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से किसी को चोट नहीं लगी, लेकिन ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों से पूछना चाहता हूं कि ऐसे हिंसक कृत्य का मकसद क्या है और इससे उन्हें क्या हासिल होगा। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं और नहीं चाहता कि ऐसी घटनाएं दोबारा हों। कोंथौजम से विधायक सिंह सरकार के प्रवक्ता भी हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें पहले कोई धमकी मिली थी, सिंह ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं हुआ था। उन्होंने बताया कि वह गुरुवार को राज्य के बाहर से लौटे थे और शाम को अपने कार्यकर्ताओं से मिले थे। मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आज तड़के विधायक डॉ. सपम रंजन सिंह के आवास पर हुए बम विस्फोट के बाद मैंने कोंथौजम मायाई लीकाई स्थित उनके आवास का दौरा किया। उन्होंने कहा कि मैं जनप्रतिनिधि के आवास पर बेवजह हुए इस बर्बर हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हिंसा का यह कृत्य हमारे लोकतंत्र पर हमला है और दोषियों को जल्द न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। घटना के बाद कोंथौजाम क्षेत्र की महिलाओं ने विधायक के आवास के बाहर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने हमले की निंदा करते हुए ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। यह घटना सापम रंजन सिंह के नई दिल्ली से इंफाल लौटने के एक दिन बाद हुई है। वह मणिपुर की मौजूदा स्थिति को लेकर केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के बाद लौटे थे। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां हमले के सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं।

गुवाहाटी-दिल्ली रेल मार्ग ...

रेलवे पुल के निर्माण का काम जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री के अनुसार, रेलवे नेटवर्क के विस्तार से इस मार्ग पर चलने वाली यात्री और मालगाड़ियों की संख्या में वृद्धि संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि कुछ औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद ट्रेन सेवाओं में वृद्धि होने की उम्मीद है। शर्मा ने इस विकास को असम की रेल कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण बताया, खासकर तब जब राज्य राष्ट्रीय राजधानी और देश के अन्य हिस्सों के साथ मजबूत संपर्क स्थापित करने की कोशिश कर रहा है।

ब्रिक्स घोषणापत्र पर फंसा ...

पेजेश्कियान और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत कई बड़े नेताओं के सम्मेलन में पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में भारत की कोशिश है कि शिखर सम्मेलन के दौरान क्षेत्रीय अखंडता, आम नागरिकों और असैन्य ढांचे की सुरक्षा, समुद्री व्यापार का निर्बाध आवागमन और संघर्षों का समाधान बातचीत एवं कूटनीति से करने जैसे मुद्दों पर साझा रुख सामने आए। खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी के बाद तेल आपूर्ति प्रभावित होने से समुद्री व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा का मुद्दा और महत्वपूर्ण हो गया है। मई में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक संयुक्त बयान के बिना खत्म हुई थी। पश्चिम एशिया के संघर्ष को लेकर ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मतभेद खुलकर सामने आए थे। चूंकि ब्रिक्स सर्वसम्मति के आधार पर फैसले करता है, इसलिए किसी एक मुद्दे पर असहमति भी साझा घोषणापत्र को मुश्किल में डाल सकती है। इसी वजह से भारत इस बार पहले से ही सदस्य देशों के साथ बातचीत कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, भारत साझा घोषणापत्र पर आम सहमति बनाने की कोशिश कर रहा है। बातचीत में पश्चिम एशिया के संघर्ष का समाधान संवाद और कूटनीति के जरिए निकालने, समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने, आम नागरिकों और असैन्य बुनियादी ढांचे की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर खास जोर दिया जा रहा है। ब्रिक्स का दायरा भी अब काफी बढ़ चुका है। शुरुआत में इसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे। 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, यूएई और सऊदी अरब इसके सदस्य बने, जबकि 2025 में इंडोनेशिया भी इसमें शामिल हो गया। इसके अलावा कई देश ब्रिक्स के साझेदार के रूप में जुड़े हैं। आज ब्रिक्स में दुनिया की करीब 49.5 प्रतिशत आबादी रहती है, जबकि वैश्विक जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार में करीब 26 प्रतिशत है। यही वजह है कि नई दिल्ली में होने वाले शिखर सम्मेलन के फैसलों का असर सिर्फ ब्रिक्स देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। भारत ने इस साल 1 जनवरी को चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। इस बार भारत की अध्यक्षता का विषय *लचीलापन, नवोन्मेष, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण* रखा गया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक इसका आधार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का *मानवता प्रथम* वाला जन-केंद्रित दृष्टिकोण है। भारत की अध्यक्षता में देश के 25 से ज्यादा शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इनका फोकस राजनीतिक और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय तथा सांस्कृतिक और लोगों के बीच संपर्क- इन तीन प्रमुख क्षेत्रों पर रहा है। अब निगाहें सितंबर में होने वाले शिखर सम्मेलन पर हैं। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि अलग-अलग हितों वाले ब्रिक्स देशों को एक साझा मंच पर लाकर ऐसा घोषणापत्र तैयार किया जाए, जिस पर सभी सदस्य सहमत हों।

पूर्वोत्तर और ओडिशा समेत...

में 29 अगस्त से 3 सितंबर के दौरान भारी बारिश का अनुमान है जबकि 30 अगस्त को कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश हो सकती है। गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में 31 अगस्त तक भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वोत्तर राज्य के अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 2 सितंबर तक व्यापक बारिश और 30 अगस्त को बहुत अधिक बारिश की चेतावनी दी गई है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और तूफानी मौसम रहने का अनुमान है। वहीं, पश्चिम भारत के कोंकण और गोवा में 3 सितंबर तक अधिकांश स्थानों पर बारिश जारी रहेगी। गुजरात और महाराष्ट्र के आंतरिक हिस्सों में छिटपुट बौछारें पड़ने की उम्मीद है। दक्षिण भारत के अगले एक सप्ताह तक दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधियों में कमी आएगी। तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और आंतरिक कर्नाटक में मौसम अपेक्षाकृत शुष्क रहेगा, हालांकि तटीय कर्नाटक और केरल में मध्यम से भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। देश के विभिन्न हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश (21 सेमी), उत्तराखंड, मेघालय, मिजोरम और पूर्वी मध्य प्रदेश (12 से 20 सेमी), पूर्वी राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश (7 से 11 सेमी) भारी बारिश हो सकती है।

सिंधु नदी पर भारत ...

की बात यह है कि भारत के यह पहला रॉक डैम महज 7 दिन में और 10 लाख की लागत में बनकर तैयार हो गया था। अब उसी प्रूफ ऑफ कांसेप्ट को अब स्केल अप किया जा रहा है। 36 डैम्स एक साथ और इसकी गूंज दूर तक जाएगी। अब पाकिस्तान को सबसे बड़ा डर इस बात का है कि भारत अब रन ऑफ द रिवर प्रोजेक्ट से आगे बढ़कर स्टोरेज और डायवर्जन की ओर बढ़ चुका है। इसका सबसे महत्वपूर्ण पॉइंट है स्ट्रेटेजिक लेवरेज। यह रॉक डैम्स भले ही छोटे दिखे लेकिन जब यह 36 की संख्या में होंगे तो यह लाखों करोड़ों लीटर पानी के फ्लो को कंट्रोल करेंगे। दूसरा पॉइंट है डायवर्जन मास्टर क्लास। हाल ही में भारत ने सिंधु का 90 मिलियन लीटर पानी डाइवर्ट किया था। अब इन 36 डैम्स के जरिए भारत के पास वह स्विच होगा जिससे वह तय करेगा कि लद्दाख की प्यास पहले बुझेगी। तीसरा महत्वपूर्ण पॉइंट है सिंधु पर कब्जा। सिंधु नदी पाकिस्तान की लाइफलाइन है। भारत का उस पर एक भी पत्थर रखना पाकिस्तान की धड़कने बढ़ा देता है। यहां तो पूरे 36 डैम्स की बात हो रही है। यह प्रोजेक्ट दुनिया का सबसे इकोनॉमिकल इरीगेशन मॉडल बनने वाला है। इसे आर्थिक चमत्कार भी कहा जा सकता है क्योंकि इसकी कुल लागत 56 करोड़ है। फायदा है 18,600 एकड़ जमीन की सिंचाई और प्रति एकड़ खर्च मात्र 00 जहां दुनिया में बड़े डैम्स बनाने में सालों लग जाते हैं। पर्यावरण को नुकसान भी होता है। लेकिन लद्दाख का यह नेचुरल रॉक मॉडल पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाए खेती की तस्वीर बदल देगा। यह लद्दाख के उन किसानों के लिए आजादी का पैगाम है जो कोल्ड डेजर्ट में पानी के लिए तरसते थे। खैर कुल मिलाकर यह सिर्फ डैम्स नहीं है। यह भारत की वो उभरती हुई शक्ति है जो अपने संसाधनों पर अपना हक जताना जानती है।

असम में अगरवुड उद्योग को मजबूत करने की पहल का भाजपा ने किया स्वागत

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश ने राज्य सरकार की ओर से पारंपरिक अगरवुड क्षेत्र को संगठित, पारदर्शी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योग के रूप में विकसित करने की पहल का स्वागत किया है। भाजपा ने कहा है कि अगरवुड क्षेत्र से होने वाले आर्थिक लाभ का सबसे बड़ा हिस्सा वास्तविक उत्पादकों और किसानों तक पहुंचना चाहिए। भाजपा असम प्रदेश के प्रवक्ता जयंत कुमार गोस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में सरकार की यह पहल समयानुकूल और महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि असम में बड़ी संख्या में स्वदेशी किसान और परिवार दशकों से अगरवुड की खेती कर रहे हैं और पेड़ों के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना समय, श्रम और संसाधन लगा रहे हैं। गोस्वामी ने कहा कि अगरवुड की व्यावसायिक कीमत और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बढ़ती मांग के बावजूद वास्तविक उत्पादकों को उनके उत्पाद का उचित आर्थिक लाभ नहीं मिल पाता है। उन्होंने कहा कि उत्पादन, संग्रह, प्रसंस्करण और विपणन के विभिन्न चरणों में बिचौलियों और प्रभावशाली कारोबारी हितों के कारण कई बार उत्पादकों के हित पीछे रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि जो किसान अगरवुड का पेड़ लगाता है और वर्षों तक उसकी देखभाल करता है, आर्थिक मूल्य से मिलने वाले लाभ में उसका पहला अधिकार होना चाहिए। अगरवुड कारोबार का लाभ किसी विशेष समूह या बिचौलिया नेटवर्क तक सीमित नहीं रहना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने सरकार से वास्तविक अगरवुड उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए पारदर्शी नीति और स्पष्ट मानदंड तैयार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पंजीकरण, उत्पाद के उचित मूल्य निर्धारण, परिवहन, प्रसंस्करण और निर्यात जैसी प्रक्रियाओं में किसानों को सीधे लाभ मिलना चाहिए। गोस्वामी ने कहा कि अगरवुड असम के लिए केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन और ग्रामीण आजीविका का संभावित आधार है। आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक खेती और अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच के माध्यम से यह क्षेत्र राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकता है। उन्होंने अगरवुड की खेती, कटाई, परिवहन और व्यापार से जुड़ी प्रक्रियाओं में नियामकीय एवं प्रक्रियागत कठिनाइयों को कम करने तथा असम के अगरवुड को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्थापित करने के सरकार के प्रयासों का भी स्वागत किया। गोस्वामी ने कहा कि अगरवुड तेल, अत्तर, सुगंध और अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों का उत्पादन राज्य में बढ़ाया जाना चाहिए। इससे असम केवल कच्चे अगरवुड का आपूर्तिकर्ता न रहकर प्रसंस्करण और निर्यात का वैश्विक केंद्र बन सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए वन मंत्री जयंत मल्ल बरुवा, उद्योग, वाणिज्य एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्री बिमल बोरा तथा कृषि मंत्री पीयूष हजारिका का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इन मंत्रियों ने अगरवुड उत्पादकों और अन्य हितधारकों के साथ संवाद कर इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सरकार की नई नीति असम के स्वदेशी समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में नया अध्याय खोल सकती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार आगे भी इस प्रक्रिया को मजबूत करेगी और अगरवुड क्षेत्र के स्वामित्व, मूल्यवर्धन तथा आर्थिक लाभ में वास्तविक उत्पादकों को केंद्र में रखेगी।

रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं, बहनों की सुरक्षा और सशक्तिकरण का दोहराया संकल्प

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को पवित्र राखी पूर्णिमा के अवसर पर राज्यवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से कहा कि यह विशेष दिन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और स्नेह के अटूट बंधन का उत्सव है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि बहनों का प्रेम और विश्वास हमेशा अमूल्य है। उन्होंने असम की प्रत्येक बहन की सुरक्षा, सम्मान, आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि इस पवित्र अवसर पर प्रत्येक बहन के सुरक्षित, सम्मानजनक और सशक्त भविष्य के लिए काम करने का संकल्प एक बार फिर दृढ़ता से व्यक्त किया गया है।

काजीरंगा को खत्म करने वाली कांग्रेस का संरक्षण के लिए प्रदर्शन करना शर्मनाक : स्थानीय लोग

गुवाहाटी (हिंस)। काजीरंगा के स्थानीय लोगों ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के आसपास प्रस्तावित इको-सेंसिटिव जोन को लेकर कांग्रेस द्वारा किए जा रहे विरोध-प्रदर्शन की कड़ी आलोचना की है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में काजीरंगा के संरक्षण के लिए कुछ नहीं किया और अब काजीरंगा को बचाने के नाम पर विरोध प्रदर्शन करना शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि इको-सेंसिटिव जोन के मुद्दे पर कांग्रेस के विरोध को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने कांग्रेस को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि वे काजीरंगा से जुड़े मुद्दे पर कांग्रेस के आंदोलन के सामने चुप नहीं बैठेंगे।

बशिष्ठ पुलिस के जाल में अंतर्राष्ट्रीय वाहन चोर गिरोह, सात गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। बशिष्ठ पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय वाहन चोरी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक चार पहिया वाहन, एक बाइक और सात मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह असम के विभिन्न इलाकों से वाहन चोरी कर उन्हें बेचने का काम करता था। गिरोह का मुख्य मास्टरमाइंड राज ठाकुरिया बताया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नेली निवासी रोहित ठाकुरिया, उदालगुड़ी निवासी मनोज ठाकुर, आसिफ खान, राम छेत्री, तेजपुर के भास्कर कलिता और दाऊद हक तथा कोकराझाड़ निवासी नव दास के रूप में हुई है। फिलहाल सभी गिरफ्तार आरोपित बशिष्ठ पुलिस की हिरासत में हैं। पुलिस गिरोह के नेटवर्क और चोरी किए गए अन्य वाहनों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर जल जमाव ,आवाजाही ठप

गुवाहाटी (हिंस)। शुक्रवार सुबह हुई मूसलाधार बरसात के बाद गुवाहाटी के जोराबाट तीनाली इलाके में भारी जल जमाव हो गया। जिसकी वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग 27 और 6 पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। राहत और बचाव के लिए मौके पर एसडीआरएफ की टीम पहुंची। जोराबाट फ्लाई ओवर के नीचे 4 से 5 फुट पानी जमा हो जाने की वजह से आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। वहीं सड़क के किनारे रह रहे लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मेघालय में अवैध तरीकों से हो रही पहाड़ की कटाई की वजह से पहाड़ से लाल मिट्टी और पानी सीधे सड़क पर आ जाता है। जिसकी वजह से इलाके में जल जमाव की समस्या हल्की सी बरसात के बाद उत्पन्न हो जाती है। बरसात की वजह से जोरावाट के अलावा 11 माइल, 10 माइल, 9 माईल 8 माइल आदि इलाकों में भी राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो गई। जिसकी वजह से इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालक और राजगीरों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा।

बरसात के पानी में बह गया बच्चा, मौत

रि-भोई (हिंस)। मेघालय के रि-भोई जिले के खानापाड़ा इलाके में बरसात के पानी में एक बच्चा बह गया, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। खानापाड़ा पुलिस ने बताया है कि शुक्रवार तड़के सुबह हुई मूसलाधार बरसात के बाद सुबह नोन्कचिगिट्टिम इलाके में एक बच्चा बरसात के पानी में डूबने की घटना की सूचना मिली। इसके बाद खानापाड़ा पुलिस स्टेशन से एसआई प्रदीप दास और उनकी टीम को मौके पर भेजा गया। बचाव कार्य के लिए फायर और इमरजेंसी सर्विस को भी सूचित किया गया। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि नोन्कचिगिट्टिम के रहने वाले सलीम खान के 5 साल के बेटे, मेवान्शवा मावब्लेई, अपने घर के बाहर खेल रहा था। भारी बारिश के कारण घर के पास पानी का स्तर बहुत ऊंचा था। बच्चा पानी में गिरने के साथ ही पानी की तेज धारा में बह गया। स्थानीय लोगों और पुलिस टीम ने खोजबीन की और सुबह लगभग 10-47 बजे शव बरामद किया गया। बच्चे को तुरंत इलाज के लिए पीए संगमा मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल ले जाया गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। शव की जांच (इनक्वेस्ट) की गई और कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई; परिवार वालों ने पोस्टमार्टम से छूट का अनुरोध किया, जिसे री-भोई जिले के एडीएम ने स्वीकार कर लिया। सभी औपचारिकताओं के बाद शव परिवार वालों को सौंप दिया गया।

गौहाटी यूनिवर्सिटी कॉन्क्लेव संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। युवा समाज, उद्यमिता, शिक्षा और नेतृत्व की नई संभावनाओं को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से गौहाटी विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर छात्र संघ की पहल पर शुक्रवार को बिरिंची कुमार बरुवा सभागार में पहली बार एक विशेष और रंगारंग कार्यक्रम के रूप में *गौहाटी यूनिवर्सिटी कॉन्क्लेव* का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के बीच आत्म-विकास, नेतृत्व कौशल, उद्यमी सोच और समकालीन तकनीकी ज्ञान के विकास के लिए एक नए मंच के रूप में इस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था। स्नातकोत्तर छात्र संघ के अध्यक्ष गुंजन डेका के स्वागत भाषण से शुरू हुए इस कार्यक्रम में असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रानोज पेगु ने मुख्य अतिथि के रूप में उपास्थित थे। उन्होंने शिक्षा, युवा समाज और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव की आवश्यकता और संभावनाओं पर एक महत्वपूर्ण भाषण दिया। सम्मानजनक अतिथि के रूप में उपस्थित दिसपुर के विधायक प्रद्युत बोरदोलोई ने देश की युवा शक्ति से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में अपनी दक्षताओं के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। कॉन्क्लेव का उद्घाटन करते हुए कुलपति ने आत्म-विकास को आज की युवा शक्ति की सबसे बड़ी ताकतों में से एक बताया और ज्ञान, कौशल व आत्मविश्वास के साथ खुद को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इस कॉन्क्लोव में *एम्पोवेरिंग यूथस ऑफ असम फॉर डेवलप्ड असम, टोवार्डस विकसित भारत,* आदि विषयों पर विशिष्ट वक्ताओं ने अत्यंत आकर्षक और उपयोगी व्यख्यान प्रस्तुत किए। सहायक रजिस्ट्रार डॉ. हिरकज्योति शर्मा द्वारा संचालित इस उद्घाटन समारोह में रजिस्ट्रार प्रोफेसर उत्पल शर्मा, कक्षाओं के सचिव डॉ. रंजन कुमार काकति सहित कई प्रोफेसर और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

होजाई में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने एसएसबी जवानों संग मनाया रक्षाबंधन

होजाई (निसं)। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, होजाई शाखा की ओर से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार हर्षोल्लास और भावनात्मक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान शाखा की अध्यक्षा प्रियंका बेरीवाल, सचिव रेखा मोर, रंजना केजरीवाल, सरिता भीमसरिया, गुंजा केजरीवाल, सरिता छावाछारीय, संगीता रंका, तथा अन्य सदस्याओं ने सीमा सुरक्षा में तैनात वीर जवानों की कलाइयों पर रक्षा-सूत्र बांधा और उनका मुंह मीठा करवाकर दीर्घायु व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। बहनों ने जवानों से रक्षा का वचन लेते हुए देश सेवा में उनके अद्वितीय योगदान के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संगठन की ओर से उपस्थित एसएसबी अधिकारियों एवं जवानों-कंपनी कमांडर मुकेश कुमार मीणा, मोहनलाल सिन्हा, बीरेन हजारिका, संभू घिमिरे तथा सुभाष चंदर को पारंपरिक असमिया गमछा पहनाकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। महिला सम्मेलन की सदस्याओं ने कहा कि देश के नागरिक अपने घरों में सुरक्षित रहें, इसके लिए जवान अपने परिवारों से दूर रहकर सीमाओं की रक्षा करते हैं। पूरा समाज उनके इस त्याग, साहस और निष्ठा के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा। जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम का समापन *जय हिंद* के गगनभेदी उद्घोष के साथ हुआ।

धुबड़ी : नगरपालिका का फुटपाथों पर से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी शहर के तीन नंबर वार्ड पर जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर पालिका का अतिक्रमण हटाओ का अभियान चल रहा है। शहर के विभिन्न क्षेत्र के फुटपाथो पर लंबे समय से कुछ व्यापारी लोगों द्वारा अतिक्रमण कर विभिन्न प्रकार के व्यवसाय चलाने की सार्वजनिक शिकायतों के नगर पालिका ने यह कदम उठाया। कई क्षेत्रों के फुटपाथों पर कब्जा करने वाले के खिलाफ अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू कर दिया गया है। आज शहर की कई रास्ते पर अभियान चलाया गया, जहां लोगों का आरोप है कि ज्यादातर नेताजी सुभाष रोड, न्यू मार्केट,चौक बाजार आदि में आम लोगों का जाना-आना बहुत मुश्किल हो गया है।

पांडु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया रक्षाबंधन उत्सव

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा पांडु सनातन देवालय में उत्साह के साथ रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। इस पावन अवसर पर सनातन संस्कृति और भाई-चारे का अनूठा संदेश दिया गया, जहां उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे की कलाई पर राखी बांधकर आपसी प्रेम और सौहार्द को मजबूत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिति के रूप में उपास्थित थे गौहाटी उच्च न्यायालय के एडवोकेट हितेस सैकिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने रक्षाबंधन के ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज में एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे पर्व हमारे प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों को जीवंत रखने के साथ-साथ समाज को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस कार्यक्रम में महानगर बालक प्रमुख रातुल डेका,चंदन पाल और साथ में अनेक गण्य मान्य व्यक्ति उपास्थित थे। इस अवसर पर विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

विश्वनाथ जिला उपायुक्त, सिविल अस्पताल अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक का अपकू ने किया अभिनंदन

विश्वनाथ चारिआली (विभास)। असम प्रेस कॉरेस्पॉन्डेंट्स यूनियन (अपकू) की विश्वनाथ जिला समिति की ओर से विश्वनाथ जिले की नवनियुक्त जिला उपायुक्त करबी सैकिया करण को जिला उपायुक्त कार्यालय में एक फुलम गामोचा और अपकू के एक प्रतीक चिह्न (स्मारक) से सम्मानित कर हार्दिक अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात, विश्वनाथ चारिआली सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. रिपन चेतिया को अस्पताल में उपस्थित होकर अपकू की विश्वनाथ जिला समिति की ओर से एक फुलम गामोचा और अपकू के एक प्रतीक चिह्न से सम्मानित किया गया। दूसरी ओर, विश्वनाथ जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक आसिफ अहमद को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अपकू की विश्वनाथ जिला समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने मिलकर एक फुलम गामोचा और अपकू के एक प्रतीक चिह्न से सम्मानित करने के साथ हार्दिक अभिनंदन किया। सम्मान समारोह के पश्चात अधिकारियों के साथ जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों और मीडिया के साथ प्रशासन का तालमेल बनाए रखने के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। आज के इस सम्मान समारोह में अपकू की विश्वनाथ जिला समिति की सलाहकार प्रणीता रायभुइयां, अध्यक्ष सौरभ हजारिका, संपादिका त्रिबेणी बोरा, उपाध्यक्ष रूपज्योति सैकिया, संगठनात्मक सचिव शहीदुल इस्लाम, संजीव बोरा और साहिदुल इस्लाम, सुरंजन गोगोई तथा अपकू के विभिन्न पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित।

कोकराझाड़ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का पावन पर्व

कोकराझाड़(विभास)। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन का पावन पर्व आज शुक्रवार को पूरे कोकराझाड़ जिले में धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सुबह से ही उत्सव का माहौल बना रहा। जिले के कोकराझाड़ नगर सहित सालाकाटि, फकीराग्राम, गोसाईंगांव, बुगरीबारी, सलफांगुड़ी, दोतमा और चितला आदि विभिन्न इलाकों में बहनों ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। बहनों ने भाइयों की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की, वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को सुरक्षा और सदैव साथ निभाने का वचन देते हुए आकर्षक उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन का यह पर्व परस्पर विश्वास और सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करने वाले त्योहार के रूप में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान स्थानीय बाजारों में मिठाइयों और राखी की दुकानों पर भी खासी चहल-पहल देखने को मिली। वही दूसरी ओर 31 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गोसाईगांव में जीत सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, 31 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के निर्देशन में रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास एवं भाईचारे की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वाहिनी मुख्यालय में उपस्थित सभी बलकर्मियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सीमांत चेतना मंच पूर्वोत्तर के सदस्यों द्वारा वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र संबंध, आपसी सौहार्द एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया।

कोकराझाड़ में *मिशन एपीएससी और यूपीएससी* कार्यशाला शुरू

उपायुक्त ने अभ्यर्थियों को दिया सफलता का मंत्र

कोकराझाड़ (विभास)। बोड़ोलैंड प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज (बीएएससी), कोकराझाड़ के सम्मेलन कक्ष में आज सिविल सेवा अभ्यर्थियों के लिए छह महीने के मेंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रम मिशन *एपीएससी और यूपीएससी* की दो दिवसीय उद्घाटन कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इस पहल का उद्देश्य सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं को व्यवस्थित मार्गदर्शन और मेंटरशिप प्रदान करना है। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन, कोकराझाड़ के सहयोग से बीएएससी द्वारा आयोजित किया गया है, जिसमें एनटीपीसी बंगाईगांव प्रायोजक भागीदार और *निर्माण आईएएस* शैक्षणिक व नॉलेज पार्टनर के रूप में शामिल हैं। कार्यशाला के पहले बैच को संबोधित करते हुए कोकराझाड़ के जिला उपायुक्त एवं *मिशन एपीएससी और यूपीएससी* के संयोजक पंकज चक्रवर्ती ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षाओं में सफलता के लिए केवल सूचनाओं का भंडार होना काफी नहीं है। उन्होंने अभ्यर्थियों से स्पष्टता, उद्देश्य और नए विचारों के साथ समसामयिक घटनाक्रमों को समझने पर जोर दिया। उपायुक्त ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि बड़ा सपना देखें और कड़ी मेहनत करें। सिर्फ अंकतालिकाएं आपकी सफलता तय नहीं करतीं, बल्कि लक्ष्य हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प, धैर्य और निरंतरता सबसे महत्वपूर्ण गुण हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों से इस मेंटरशिप का पूरा लाभ उठाकर समाज और देश के लिए मिसाल बनने का आह्वान किया।

অসম লোকসেৱা আয়োগ

ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION

Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

eCF No. 838272/114

NOTIFICATION

This is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold the screening Test (OMR Based) for recruitment to the post of **Junior Engineer under Soil Conservation Department (Advt. No. 26/2025, Dated Guwahati the 11th July, 2025)** as per programme given below:

PROGRAMME OF SCREENING TEST

Name of Post	Date & Day	Time	Subjects
Junior Engineer under Soil Conservation Department	20-09-2026 (Sunday)	10:00 AM to 12:00 Noon	General Knowledge (Paper - I)
		1:30 PM to 3:30 PM	Civil or Agriculture Engineering (Paper - II)

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. The list of candidates shall be uploaded on 07-09-2026 and e-Admission Certificate shall be uploaded on 14-09-2026 in the Commission's official website **(www.apsc.nic.in)**. The candidates shall have to download their own e-Admission Certificate from the aforesaid website.

The Commission would like to clarify that the Commission reserves the right **to cancel the candidature of any candidate on verification of their application form** at any time or stage even after the screening Test, if it is found that they do not fulfill any of the eligibility criteria/conditions as per terms of the **aforementioned advertisement.**

PwBD candidates willing to apply for scribe for the said Screening Test may inform in writing with supporting documents to the Commission or send mail to apsc-asm@nic.in on or before 09-09-2026.

Sd/-
Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati - 22

-- DIPR /D/ VBS-55/29-Aug-26

संपादकीय

नेपाल में जल प्रलय

नेपाल में एक बार फिर जलजला, जल-प्रलय आया है, जिसके कारण बिहार के 6 जिलों और उप्र के भी कुछ जिलों को 'अलर्ट' पर रखा गया है। वहां एनडीआरएफ की टीमें भी तैनात हैं। यह प्रलय महाविनाशकारी, महात्रासद् और दायरे में आने वाले तमाम इलाकों, इनसानों, परियोजनाओं को तहस-नहस करने वाला साबित हुआ है। करीब 22 पक्के पुल तबाह हो गए, करीब 12 पनबिजली परियोजनाएं तबाह या क्षतिग्रस्त हो गईं, 431 मेगावाट बिजली की परियोजनाएं भी ध्वस्त हो गईं, राजमार्ग टुकड़े-टुकड़े हो गए, इमारतें, होटल, रेस्तरां, रेस्ट हाउस और गांव के गांव मिट्टी-मलबा होकर प्रलय के प्रवाह में बह गए। करीब 60 घर जमींदोज होकर बह गए, 12 अस्पताल भी 'समतल' हो गए और करीब 1000 टन का पुल भी ध्वस्त हो गया। नेपाल में चीन के 'इमिग्रेशन दफ्तर' की खूबसूरत इमारत का भी नामोनिशान शेष नहीं रहा। यह प्रलय कुदरत का गुस्सा है अथवा खुद इनसान अपना 'महाविनाश' तैयार कर रहा है? ऐसी त्रासदियों के बाद भी इस सवाल का जवाब अनसुलझा है, क्योंकि पहाड़ काट-छांट कर खोखले किए जा रहे हैं और विशेषज्ञ उन्हें 'अति संवेदनशील' करार दे रहे हैं, लेकिन सड़कें, सुरंगें, पुल, बांध, पनबिजली परियोजनाएं और अन्य निर्माण लगातार जारी हैं। विनाश से भी खौफ नहीं! चीन इस इलाके में पहाड़ काट कर रेलमार्ग बनाने की योजना पर काम कर रहा है। ऐसा है, तो कुदरत के प्रलय बार-बार आएंगे और एहसास दिलाते रहेंगे कि इनसान बहुत 'बौना' प्राणी है। बहरहाल बुधवार देर रात और गुरुवार सुबह तक कुल 844 लोग लापता बताए जा रहे हैं। उनमें 37 एनआरआई और 300 से अधिक भारतीय भी हैं। करीब 225 कर्मचारी और मजदूर भी संपर्क से बाहर बताए गए हैं। कैलाश मानसरोवर के तीर्थ-यात्रियों में 77 ईशा फाउंडेशन के सदस्य भी हैं, जो लापता बताए गए हैं। नेपाल से सटे तिब्बत में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। उसके 3 मिनट बाद ही 'बर्फीला हिमस्खलन' शुरू हो गया। सैटेलाइट तस्वीरों से साफ हुआ है कि ग्लेशियर से 2000 फीट चौड़ा बर्फ का टुकड़ा टूट कर करीब 17,000 फीट की ऊंचाई से गिरा। जहां वह गिरा, वहां बम-विस्फोट जैसा गड्ढा हो गया और ल्हेंदे नदी में पानी जमा होकर एक 'अस्थायी झील' बन गई। दबाव में वह झील टूटी और पानी, बर्फ और मलबे का प्रलयंकारी सैलाब नीचे आया। यह नेपाल-तिब्बत की सीमा पर स्थित भोटेकोशी नदी की ओर बढ़ गया। सैटेलाइट से एक दिन पहले बर्फ की परत तेजी से गायब होती दिखाई दी थी। तापमान बढ़ने से ग्लेशियर पिघलने या 'हिमस्खलन' का कारण हो सकता था। बहरहाल जो भी यथार्थ सामने आया, वह महाविनाशकारी है, बेहद खौफजदा है। हम ऐसा ही विनाश, विध्वंस, तबाही केदारनाथ और उत्तरकाशी के प्रलयों में देख-महसूस कर चुके हैं। गुरुवार सुबह तक 175 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी थी, लेकिन विशेषज्ञों की आशंकाएं हैं कि यह आंकड़ा 1000 तक पहुंच सकता है! सुखद खबर यह है कि बचाव ऑपरेशन में 3318 जिंदगियों को बचा लिया गया है। महात्रासदी, प्रलय की स्थितियों में यह आंकड़ा बेहद मूल्यवान है। हालांकि प्रलय का प्रकोप शांत हो चुका है, लेकिन कीचड़ है, सड़कें टूट चुकी हैं, मौसम अब भी खराब था, लिहाजा सड़क-मार्ग से ऑपरेशन असंभव-सा था। सैनिकों ने हेलीकॉप्टरों से लोगों की जान बचाई। भारत के ट्रांसपोर्ट विमानों ने 50 टन से अधिक राहत-सामग्री पहुंचा दी है। फंसे लोगों तक उस सामग्री को भेजा जा रहा है। भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से फोन पर बातचीत की और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। बहरहाल बिहार के पूर्वी-पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सारण, वैशाली और उप्र के महाराजगंज, कुशीनगर, गोरखपुर, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर आदि जिलों में 'अति अलर्ट' कर दिया गया है। बिहार में नारायणी नदी गुरुवार सुबह 'खतरनाक संकेत' से ऊपर चली गई थी, लेकिन गंडक नदी का जलस्तर संतोषजनक था। बैराज के सभी 36 गेट खोल दिए गए थे और 1.36 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। फिलहाल आपदा के हालात नहीं हैं, लेकिन बुनियादी समस्या तो यह है कि नेपाल-तिब्बत में हजारों ग्लेशियर झीलें हैं। हिमालयी क्षेत्र शेष दुनिया की तुलना में दोगुनी तेजी से 'गरम' हो रहा है। उसके बावजूद तिब्बत में सड़कों का निर्माण सवालिया है।

कैलाश मानसरोवर के तीर्थ–यात्रियों में 77 ईशा फाउंडेशन के सदस्य भी हैं, जो लापता बताए गए हैं। नेपाल से सटे तिब्बत में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। उसके 3 मिनट बाद ही 'बर्फीला हिमस्खलन' शुरू हो गया। सैटेलाइट तस्वीरों से साफ हुआ है कि ग्लेशियर से 2000 फीट चौड़ा बर्फ का टुकड़ा टूट कर करीब 17,000 फीट की ऊंचाई से गिरा। जहां वह गिरा, वहां बम-विस्फोट जैसा गड्ढा हो गया और ल्हेंदे नदी में पानी जमा होकर एक 'अस्थायी झील' बन गई। दबाव में वह झील टूटी और पानी, बर्फ और मलबे का प्रलयंकारी सैलाब नीचे आया। यह नेपाल–तिब्बत की सीमा पर स्थित भोटेकोशी नदी की ओर बढ़ गया। सैटेलाइट से एक दिन पहले बर्फ की परत तेजी से गायब होती दिखाई दी थी। तापमान बढ़ने से ग्लेशियर पिघलने या 'हिमस्खलन' का कारण हो सकता था। बहरहाल जो भी यथार्थ सामने आया, वह महाविनाशकारी है, बेहद खौफजदा है। हम ऐसा ही विनाश, विध्वंस, तबाही केदारनाथ और उत्तरकाशी के प्रलयों में देख–महसूस कर चुके हैं। गुरुवार सुबह तक 175 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी थी, लेकिन विशेषज्ञों की आशंकाएं हैं कि यह आंकड़ा 1000 तक पहुंच सकता है! सुखद खबर यह है कि बचाव ऑपरेशन में 3318 जिंदगियों को बचा लिया गया है। महात्रासदी, प्रलय की स्थितियों में यह आंकड़ा बेहद मूल्यवान है। हालांकि प्रलय का प्रकोप शांत हो चुका है, लेकिन कीचड़ है, सड़कें टूट चुकी हैं, मौसम अब भी खराब था, लिहाजा सड़क–मार्ग से ऑपरेशन असंभव–सा था। सैनिकों ने हेलीकॉप्टरों से लोगों की जान बचाई। भारत के ट्रांसपोर्ट विमानों ने 50 टन से अधिक राहत–सामग्री पहुंचा दी है। फंसे लोगों तक उस सामग्री को भेजा जा रहा है।

कुछ अलग

इनसान की शक्ल में भेड़िया

मैं कहता हूं कि देश पर ध्यान देवो वरना रसातल में जाने में देर नहीं लगेगी। हो यह रहा है कि रियासतों पर अलग-अलग पार्टियां सत्तारूढ़ हैं और केंद्र में अनेक पार्टियां मिलकर शासन कर रही हैं। इससे तालमेल नहीं बन पा रहा और अराजकता की सी स्थिति बन गई है पूरे मुल्क में। प्रधानमंत्री जी को ध्यान देना चाहिए और हो सकता है वे ध्यान दे भी रहे हों और मेरा ध्यान उस तरफ नहीं गया हो, फिर भी लग ऐसा ही रहा है कि पड़ोसी देशों से भाईचारे की बात में ज्यादा उलझे हुए हैं और देश में आपसी सौहार्द नहीं बन पा रहा, जिसका खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ रहा है। इमरजैंसी को छोडक़र कुछ ऐसा किया जाए कि लोकतंत्र का मतलब मनमानी न हो व सभी को ठीक से समझाया जा सके। सारे के सारे हम्माम में ही नंगे नहीं हैं, अपितु वे सार्वजनिक रूप से निर्वसन खड़े हैं। नंगे आदमी का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, लेकिन यदि कानून का राज कायम हो जाए तो उसे कपड़े पहनने को विवश किया जा सकता है।

्लास्टिक और पॉलीथीन के इस्तेमाल से स्थिति और भी गंभीर हो गई है

कचरे के ढेर, बीमारियों के शहर

्लास्टिक बैग, पॉलिथीन, सब्जियों के छिलके, फलों के अवशेष और बचा हुआ खाना नियमित रूप से खुले में फेंक दिया जाता है। लेकिन लापरवाही का यह मामूली सा काम धीरे–धीरे लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन रहा है। खुले में कूड़ा फेंकने से वह सड़ने लगता है और दुर्गंध आने लगती है। समस्या केवल 'असुविधा' की नहीं है। कचरे के जमाव से गंदगी फैलती है और मक्खियाँ, मच्छर, आवारा जानवर और अन्य कीट आकर्षित होते हैं। प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थ नालियों को जाम कर सकते हैं जिससे बरसात के मौसम में पानी जमा हो जाता है। पानी के बहाव में कमी से मच्छरों के पनपने के स्थान बन जाते हैं और बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। यदि कोई एक व्यक्ति लापरवाही बरतता रहता है, तो यह पूरे मोहल्ले के लिए स्वास्थ्य समस्या बन सकता है। सबसे बुरी बात यह है कि समाज के लोग इसे एक सामान्य बात समझने लगे हैं।

हम अपने घर को साफ रखने के महत्व से अवगत हैं, लेकिन जैसे ही हम अपने घर से बाहर निकलते हैं, हमारी जिम्मेदारी की भावना गायब हो जाती है। कई लोगों को घरेलू सामान सड़क के किनारे, नाले में, खाली जगह पर या सार्वजनिक स्थानों पर फेंकने की आदत पड़ गई है। प्लास्टिक बैग, पॉलिथीन, सब्जियों के छिलके, फलों के अवशेष और बचा हुआ खाना नियमित रूप से खुले में फेंक दिया जाता है। लेकिन लापरवाही का यह मामूली सा काम धीरे-धीरे लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन रहा है। खुले में कूड़ा फेंकने से वह सड़ने लगता है और दुर्गंध आने लगती है। समस्या केवल 'असुविधा' की नहीं है। कचरे के जमाव से गंदगी फैलती है और मक्खियाँ, मच्छर, आवारा जानवर और अन्य कीट आकर्षित होते हैं। प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थ नालियों को जाम कर सकते हैं जिससे बरसात के मौसम में पानी जमा हो जाता है। पानी के बहाव में कमी से मच्छरों के पनपने के स्थान बन जाते हैं और बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। यदि कोई एक व्यक्ति लापरवाही बरतता रहता है, तो यह पूरे मोहल्ले के लिए स्वास्थ्य समस्या बन सकता है। सबसे बुरी बात यह है कि समाज के लोग इसे एक सामान्य बात समझने लगे हैं। हम सड़क किनारे कचरे के ढेर देखते हैं, कुछ पल के लिए नाक ढक लेते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। बहुत कम लोग सोचते हैं कि यह कचरा कहाँ से आता है। वास्तव में, हर कचरे के पीछे किसी न किसी की सुविधा और लापरवाही होती है। अगर कोई व्यक्ति अपने घर में कभी कचरा नहीं डालता, तो वह उसे घर के बाहर कूड़ेदान में क्यों नहीं डालता? जब हम अपने घरों से दूर होते हैं तो सड़कें कूड़ेदान क्यों बन जाती हैं? यह सिर्फ स्वच्छता से कहीं बढ़कर है – यह नागरिक कर्तव्य और सामाजिक आचरण का मामला है। प्लास्टिक और पॉलीथीन के इस्तेमाल से स्थिति और भी गंभीर हो गई है। प्लास्टिक आसानी से नष्ट नहीं होता और लंबे समय तक पर्यावरण में

बना रहता है। अगर इसे यूं ही फेंक दिया जाए, तो यह नालियों को जाम कर सकता है और पानी के बहाव को रोक सकता है। प्लास्टिक की थैलियों में बचा जैविक कचरा सड़ता रहता है और दुर्गंध फैलाता है, जिससे अस्वच्छता पैदा होती है। आवारा जानवर भी प्लास्टिक खा सकते हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। इसलिए, प्लास्टिक का अंधाधुंध और लापरवाही से निपटान समाज, जानवरों और पर्यावरण को प्रदूषित करता है। कचरे और बीमारियों के बीच संबंध में धारणा और वास्तविकता में कोई अंतर नहीं है। खुले कूड़ेदानों में मक्खियाँ और अन्य परजीवी जमा हो जाते हैं, जो बीमारियाँ फैलाते हैं। जमा हुआ और ठहरा हुआ पानी मच्छरों के प्रजनन का स्थान बन सकता है। अनियंत्रित कचरे से कम दूरी पर स्थित घरों में संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा अधिक हो सकता है। इस मानसून के मौसम में स्थिति और भी खराब हो सकती है, क्योंकि बारिश के मौसम में कचरा और दूषित पदार्थ आसपास के इलाकों में फैल सकते हैं। लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि समस्या केवल नगरपालिकाओं की है। स्थानीय सरकारें समुदाय को निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैंः कूड़ा संग्रहण, अपशिष्ट निपटान, नालियों का रखरखाव और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता। साथ ही, इस प्रक्रिया में नागरिकों की भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्हें अपशिष्ट निपटान करते समय जिम्मेदार होना चाहिए, कूड़ा नहीं फैलाना चाहिए, प्लास्टिक का अनावश्यक उपयोग सीमित करना चाहिए और गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करना चाहिए। हालांकि, अगर निवासी सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकते रहेंगे तो अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती से समस्या का समाधान नहीं हो जाएगा। अब जरूरत इस बात की है कि स्वच्छता को सरकारी अभियान के रूप में न लिया जाए। स्वच्छता अभियानों की प्रभावशीलता स्पष्ट रूप से दैनिक जीवन में स्वच्छता को शामिल करने से जुड़ी है। बच्चों को स्कूलों में स्वच्छता पर भाषण देखने चाहिए, साथ ही उन्हें स्वच्छता बनाए रखने के लिए कई व्यावहारिक उपाय भी अपनाने चाहिए, जिनमें कचरे का पृथक्करण, कचरे का उचित निपटान और एकल-उपयोग प्लास्टिक का कम से कम उपयोग शामिल है। समुदायों में स्थानीय निगरानी प्रणाली भी विकसित की जा सकती है और निवासियों को अपने पर्यावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व के बारे में जागरूक किया जा सकता है। हालांकि नियम और दंड आवश्यक हो सकते हैं, व्यवहार में बदलाव तब तक नहीं आएगा जब तक वे जिम्मेदार आचरण के महत्व को नहीं पहचानते। सार्वजनिक क्षेत्र में स्वच्छता पर होने वाली राजनीतिक चर्चा में भी कचरे की राजनीति झलकती है। स्वच्छता और कूड़ा संग्रहण, जल निकासी और नागरिक अवसंरचना चुनाव के दौरान प्रमुख राजनीतिक मुद्दे होते हैं। हालांकि, चुनाव समाप्त होते ही ये चिंताएं आसानी से भुला दी जाती हैं। कूड़े के ढेर फिर से लग जाते हैं, नालियां जाम हो जाती हैं और दुर्गंध फिर से आम हो जाती है। ₹यह चक्र चलता रहता है, क्योंकि प्रशासनिक जवाबदेही अक्सर असंगत होती है और जनता की भागीदारी भी कम होती है।₹ यह समझना महत्वपूर्ण है कि कचरा केवल नगरपालिका की समस्या नहीं है। यह हमारी दिनचर्या, प्राथमिकताओं और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना का सूचक है। जब हम सार्वजनिक सड़क को अपने घर के आंगन की तरह ही अपनी जिम्मेदारी समझने लगेंगे, तभी हम बदलाव लाना शुरू कर पाएंगे। स्वच्छ सड़कें न केवल देखने में सुंदर लगती हैं, बल्कि एक स्वस्थ और अधिक जिम्मेदार समाज का प्रतीक भी हैं। बीमार होने पर लोगों को अस्पताल और दवाइयों की ज़रूरत पड़ती है, लेकिन बेहतर यही है कि हानिकारक स्थितियों से पहले ही बचा जाए। कचरे की समस्या यह है कि हमें यह समझना होगा कि यह आपकी समस्या नहीं है। स्वच्छता का रहस्य किसी बड़े ऐलान या सरकारी अभियान में नहीं, बल्कि एक छोटे से व्यक्तिगत निर्णय में हैः सड़क पर कूड़ा न डालें - उसे कूड़ेदान में डालें। इस छोटी सी आदत को बदलकर हम इन मोहल्लों को, अपने शहरों को और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। स्वच्छता की जिम्मेदारी किसी एक व्यक्ति की नहीं है; यह किसी एक विभाग, किसी एक सरकार या कर्मचारियों के समूह की जिम्मेदारी नहीं है। यह हम सबकी जिम्मेदारी है और इसकी शुरुआत हममें से प्रत्येक से होनी चाहिए।

देश दुनीया से

कांग्रेस जहां से चली थी, वहीं पहुंच गई

पिछले कुछ अरसे से सत्ता प्राप्ति की जल्दी में राहुल गांधी देश के विभिन्न समुदायों में दरारें डालने के काम में संलग्न हो गए हैं। उनका पूरा प्रयास है कि जो एजेंडा अपने वक्त में अंग्रेज सरकार ने भारत के लिए तय किया था, इस एजेंडा में भारत के विभिन्न समुदायों में दरारें डालना, देश को बांटने के लिए एक समुदाय को दूसरे से लड़ाना, प्राचीन भारतीय ग्रन्थों की अपने हितों के लिए गलत व्याख्या करना, भारत की कुल आबादी को ही बाहरी-भीतरी बताने के लिए 'आर्य आक्रमण सिद्धान्त' की कल्पना करना इत्यादि प्रमुख कहे जा सकते हैं। आज सोनिया गांधी परिवार की हरकतों को देख कर लगता है कांग्रेस जहां से चली थी अन्त में वहीं पहुंच गई है। आम भारतीय आश्चर्यचकित है कि राहुल गान्धी ऐसा सब क्यों कर रहे हैं जिससे देश विरोधी देशी-विदेशी ताकतों को बल मिलता है। इसके लिए कांग्रेस के मूल उद्देश्य को समझना होगा। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) और उसके परिणाम से घायल और आहत भारतीय चेतना अगली लड़ाई के लिए तैयारियों की योजनाओं के बारे में सोच रही थी। तब अंग्रेजों को ऐसे लोगों की जरूरत थी जो भारतीयों को समझा सकें कि अंग्रेज सरकार भारत के लिए हितकारी है। उसने भारतीयों के कल्याण के लिए बहुत कुछ किया है। इसलिए यह सरकार बनी रहनी चाहिए। अंग्रेज सरकार के पक्ष में यह आन्दोलन तो वही लोग चला सकते थे जो अब तक उनके रंग में ही रंग चुके थे और उनके शिक्षा संस्थानों से शिक्षा प्राप्त कर चुके थे। यदि ऐसे लोगों का एक ग्रुप तैयार हो जाता है तो उनके माध्यम से अंग्रेज भारतीयों से बात भी कर सकेंगे। कम से कम भारतीय अपनी मांगें लेकर अंग्रेज सरकार के पास

आने तो लगेंगे। ऐसा संगठन ब्रिटिश सरकार और भारतीयों के बीच एक सेफ्टी वाल्व का काम कर सकता था। इससे अंग्रेज सरकार को भारत में बने रहने की लेजिटिमेसी मिल जाएगी। 1857 के महासमर के बाद ब्रिटिश सरकार को भारत पर राज करने के लिए इस लेजिटिमेसी की सबसे ज्यादा जरूरत थी। इस पृष्ठभूमि में 1885 में एक ऐसा ही संगठन बना, जिसका नाम 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' रखा गया। इसमें आभिजात्य वर्ग के 70 के आसपास अंग्रेजी पढ़े लिखे शहरी लोग शामिल थे। कांग्रेस को बनाने के उद्देश्य की व्याख्या लाला लाजपत राय ने अपने वक्त में बहुत ही साफगोई से की थी। वे अपनी पुस्तक यंग इंडिया में लिखते हैं- 'इसमें कोई शक नहीं है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन करने का विचार उस समय के वायसराय लार्ड डैफरिन का था। उसने सर ह्यूम रोज को इस काम के लिए नियुक्त किया था।' लेकिन यह रहस्य छिपा नहीं रह सका। वैसे तो वायसराय लार्ड डैफरिन के समय ही इसकी चर्चा होने लगी थी। वायसराय ने चुप रहना ही श्रेयस्कर समझा। कांग्रेस तो अपना पहला अध्यक्ष भी एक अंग्रेज को ही बनाना चाहती थी जो उस समय बम्बई के राज्यपाल थे। लेकिन लार्ड डैफरिन को लगा कि इससे तो साफ ही हो जाएगा कि कांग्रेस स्थापना की योजना ब्रिटिश सरकार की ही थी। तब विवशता में कांग्रेस को 1885 में अपना प्रथम अध्यक्ष बंगाल के व्योमेश चन्द्र बनर्जी को बनाना पड़ा। जब 1885 में कांग्रेस ने अपना प्रथम सम्मेलन बुलाने का निर्णय किया तो जाहिर है कि कहीं कहीं यह चर्चा भी चल पड़ी होगी की यह कांग्रेस (सम्मेलन) अंग्रेज सरकार के खिलाफ बुलाया जा रहा है। निश्चय ही इससे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन और सम्मेलन बुलाने वालों की चिन्ता बढ़ गई होगी कि शुरुआत ही गलत हो गई तो बहुत नुकसान हो जाएगा। यही कारण था कि इस अधिवेशन का अधिकांश समय भारत में ब्रिटिश सरकार का गुणगान करने और इंग्लैंड की महारानी के भारत में शासन को वरदान बताने में लगाया गया। भारतीयों के मन से यह गलतफहमी दूर करने का हर प्रयास किया गया कि कांग्रेस अंग्रेज विरोधी है। इसलिए बनर्जी बाबू के प्रथम अध्यक्षीय भाषण के लम्बे हिस्से को अक्षरशः उद्धृत करना जरूरी है। कांग्रेस के उद्देश्य स्पष्ट करने के बाद बनर्जी बाबू ने कहा, 'हमारे उद्देश्य में कहीं भी ऐसा नहीं है जिसे देखकर कोई कह सके कि हमारी कांग्रेस अंग्रेज सरकार के खिलाफ योजना बनाने वालों का जमावड़ा है। बल्कि इस अधिवेशन में सब के विचार सुन कर अब तक सब को स्पष्ट हो गया होगा कि हम से ज्यादा ब्रिटिश सरकार का शुभचिन्तक और भक्त कोई हो ही नहीं सकता। हम तो इंग्लैंड के संविधान के आभारी हैं कि उसने हमें बोलने की आजादी दी। ब्रिटेन ने हमारे देश के लिए इतना कुछ किया है कि हम उसे कभी भूल नहीं सकते। सबसे बढ़ कर भारत में स्थापित ब्रिटिश सरकार ने हमें अपने ढंग की पश्चिमी शिक्षा दी। जैसे जैसे इस शिक्षा का प्रसार होगा, वैसे वैसे हमारी इच्छा बढ़ती जाएगी कि यूरोप के तौर तरीके से हम भी आगे बढ़ें। बस हमारी तो मात्र इतनी तमन्ना है कि सरकार में हमें भी कुछ भागीदारी दी जाए।' लाला लाजपत राय ने इस संबंध में कांग्रेस के संस्थापक सर ह्यूम रोज (जो ब्रिटिश सरकार में भारत मामलों का मंत्री रह चुका था) और आकलैंड कोल्बिन (जो उस समय उत्तर प्रदेश का गवर्नर था) के कांग्रेस को लेकर हुए पत्र व्यवहार को आधार बना कर निष्कर्ष निकाला था कि, 'ह्यूम रोज ने भारत में अंग्रेज सरकार के लिए बढ़ते खतरों को देख लिया था। वह समझ गया था कि भीतर ही भीतर अंग्रेजों के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा है। इसलिए कांग्रेस स्थापना का उसका मुख्य उद्देश्य अंग्रेज सरकार को इन खतरों से बचाना था। इसके लिए सेफ्टी वाल्व की जरूरत थी और वह सेफ्टी वाल्व कांग्रेस ही हो सकती थी।' लाला लाजपत राय ने यह सब कुछ देखा और समझा था। उन्होंने बहुत ही संक्षेप में कांग्रेस का सार तत्व प्रस्तुत किया। 'कुल मिला कर यह कांग्रेस थी।

आप का नजरीया

हिमाचल का भौगोलिक

पूर्व में मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार ने पुनः धर्मशाला में हाई कोर्ट की बेंच की स्थापना का मुद्दा रखा है। पिछले चार दशकों से यह मुद्दा गाहे बगाहे सामने आता है, जबकि किसी भी सरकार ने इसे अंजाम तक नहीं पहुंचाया। इस दौरान अदालतों का प्रसार हुआ है। कांगड़ा जिला में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालयों का दर्जा पालमपुर, नूरपुर और देहरा में मिला है। न्याय की परिभाषा में यह तस्वीर उस वक्त पूरी होगी जब हाई कोर्ट की एक पीठ धर्मशाला में स्थापित होगी। इस विषय का संबंध प्रादेशिक राजधानी शिमला से शिफ्ट हो रहे कार्यालयों से है और न्याय के मजमूनों से भी है। इसी तरह की एक अपेक्षा प्रशासनिक जिलों के संबंध में भी है और इसका प्रमुख निशाना भी कांगड़ा ही है, जहां पालमपुर, देहरा व नूरपुर को जिला बनाने की मांग उठती रहती है। अभी हाल ही में नूरपुर और देहरा को पुलिस जिला बनाने से नए जिलों के कयास बढ़े हैं। जाहिर है हिमाचल में संगठनात्मक तौर पर अदालतों और जिलों का पुनर्गठन करने की दिशा में आगे बढक़र कम से कम एक जिला बढ़ाया जा सकता है। हमारा मानना है कि हर जिला के छह विधानसभा क्षेत्र होने चाहिएं। इस तरह दो कबाइली जिलों को छोडक़र बाकी ग्यारह जिले छह-छह विधानसभा क्षेत्रों के साथ महत्त्वपूर्ण इकाई साबित होंगे। हिमाचल के कई विधानसभा क्षेत्र आपस में मीलों दूर साबित होते हैं। मसलन नयनादेव, दरंग या जसवां-परागपुर विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक दूरी को मापना आसान नहीं है। यही भौगोलिक दूरी अदालतों के पुनर्गठन की जरूरत पैदा करती है। मसलन हाई कोर्ट का दरवाजा शिमला में खुलता है, जबकि न्याय की जरूरतें चंबा, कांगड़ा, ऊना व मंडी के कुछ क्षेत्रों में पैदा होती हैं। अगर धर्मशाला के केंद्र में हाई कोर्ट की बेंच स्थापित होती है, तो न्यायिक राहत पाने की बेडियां टूटेंगी। वैसे भी विधानसभा के शीतकालीन सत्र ने जिस तरह क्षेत्रीय प्रश्नों की मिट्टी धर्मशाला में खोजी है, उसी तरह न्याय की जमीन यहां से सशक्त होगी। हिमाचल की जरूरतें कल अगर पूरी की गईं, तो आज उससे भिन्न हैं। भौगोलिक दृष्टि से योजनाओं, परियोजनाओं तथा विभागीय गुणवत्ता दर्ज करने के लिए दफ्तरों का स्थानांतरण, कलस्टर प्लानिंग तथा शहरी एवं ग्रामीण विकास का नजरिया बदलना होगा। दो-तीन शहरों को मिलाकर परिवहन की योजनाएं बनें या इनके मध्य स्थल पर कॉमन सब्जी मंडी, कॉमन अदालत परिसर तथा कर्मचारी नगर बसाए जाएं, तो हिमाचल का सही पुनर्गठन होगा। विडंबना यह है कि प्रशासनिक फैसलों पर भी राजनीति हावी रहती है। इससे सरकारी ढांचे के नतीजे बेहतर नहीं आते। उदाहरण के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम के तीन दर्जन के करीब बस डिपो बना देने का फायदा हिमाचल के परिवहन को नहीं मिला। अब अगर इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति डीजल बसों के विकल्प के रूप में हो रही है, तो पांच नए बस डिपो जोड़े जा रहे हैं। जोगिंद्र नगर, बैजनाथ, पालमपुर, नगरोटा और धर्मशाला में बस डिपो की संख्या और दूरी का आकलन किया होता तो कांगड़ा में इलेक्ट्रिक बस डिपो की घोषणा नहीं होती। प्रदेश में ढांचागत परिवर्तन के लिए प्रशासन की साझी विरासत चाहिए। हर जगह एक जैसी भूमिका में राजनीतिक विस्तार तो संभव है, लेकिन राजनीतिक जरूरतों में प्रशासनिक विस्तार से परिणाम की बेहतरी नहीं होती। बेशक हिमाचल के सीमांत क्षेत्रों की मांग अलग है, मध्यम क्षेत्र की जरूरतें अलग हैं और ऊंचे क्षेत्रों की खूबियां अलग हैं। हिमाचल अंग्रेजी हुकूमत में अलग था, रियासतों में अलग था और आजादी के बाद अलग नजर आया, लेकिन अब बेहतर शासन-प्रशासन की दृष्टि से होना चाहिए।

कांगड़ा जिला में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालयों का दर्जा पालमपुर, नूरपुर और देहरा में मिला है। न्याय की परिभाषा में यह तस्वीर उस वक्त पूरी होगी जब हाई कोर्ट की एक पीठ धर्मशाला में स्थापित होगी। इस विषय का संबंध प्रादेशिक राजधानी शिमला से शिफ्ट हो रहे कार्यालयों से है और न्याय के मजमूनों से भी है। इसी तरह की एक अपेक्षा प्रशासनिक जिलों के संबंध में भी है और इसका प्रमुख निशाना भी कांगड़ा ही है, जहां पालमपुर, देहरा व नूरपुर को जिला बनाने की मांग उठती रहती है। अभी हाल ही में नूरपुर और देहरा को पुलिस जिला बनाने से नए जिलों के कयास बढ़े हैं। जाहिर है हिमाचल में संगठनात्मक तौर पर अदालतों और जिलों का पुनर्गठन करने की दिशा में आगे बढक़र कम से कम एक जिला बढ़ाया जा सकता है। हमारा मानना है कि हर जिला के छह विधानसभा क्षेत्र होने चाहिएं। इस तरह दो कबाइली जिलों को छोडक़र बाकी ग्यारह जिले छह–छह विधानसभा क्षेत्रों के साथ महत्त्वपूर्ण इकाई साबित होंगे। हिमाचल के कई विधानसभा क्षेत्र आपस में मीलों दूर साबित होते हैं। मसलन नयनादेव, दरंग या जसवां–परागपुर विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक दूरी को मापना आसान नहीं है। यही भौगोलिक दूरी अदालतों के पुनर्गठन की जरूरत पैदा करती है। मसलन हाई कोर्ट का दरवाजा शिमला में खुलता है, जबकि न्याय की जरूरतें चंबा, कांगड़ा, ऊना व मंडी के कुछ क्षेत्रों में पैदा होती हैं

दृष्टि कोण

2036 ओलंपिक के लिए प्रदेश का विजन कैसा हो

भारत 2036 के ओलंपिक व 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी दावेदारी पेश कर राष्ट्रमंडल खेल अहमदाबाद के लिए पक्का कर चुका है और 2036 ओलंपिक भी भारत को ही मिलने की पूरी संभावना है। ऐसे में देश के खिलाडियों का इन खेलों में पदक विजेता प्रदर्शन जरूरी हो जाता है। हिमाचल प्रदेश जहां यूरोप व अमरीका की तरह जलवायु होने के कारण यहां पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक उच्च स्तरीय खेल संस्थान हो। क्योंकि बेहतर आबोहवा में प्रशिक्षण के लिए करोड़ों खर्च करके हमारे खिलाड़ी विदेश जाते हैं। देश में राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला बहुत बढ़िया प्रशिक्षण स्थल है मगर यहां गर्मियों में ट्रेनिंग करना बहुत मुश्किल है। जब हम राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला में प्रवेश करते हैं तो गेट से सौ मीटर आगे चल कर बायीं ओर एक शिला पर लिखा है- विश्वविद्यालयों के ग्रंथकीट नहीं, वरिष्ठ लिपिक नहीं, अपितु हमें ऐसे महापुरुष निकालने चाहिए जो विश्व पटल पर भारत को गौरव प्रदान कर सकें। खेल संस्थान का मतलब विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाला संस्थान। हिमाचल प्रदेश में स्तरीय खेल ढांचे के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठा कर जन गण मन की धुन पूरे विश्व को सुना सके। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन हुक्मरानों ने खेल

विभाग को कभी खेल प्राधिकरण तो कभी खेल संस्थान बनाने की वकालत की है, मगर हिमाचल प्रदेश में खेलों की हकीकत सबके सामने है। नई खेल नीति में राज्य खेल संस्थान का भी जिक्र है। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बन कर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में वहां पर उस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में अभी तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफ देखा जा सकता है। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाडियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नई खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा, तो वास्तव में सरकारी तंत्र व खेल संस्थान इसे कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाते हैं। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिटनेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाडियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खेलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने की मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी कभी अच्छे परिणाम देने वाला हिमाचल प्रदेश, राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोड़ कर अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है।

सरकार का मूल उद्देश्य अंत्योदय की भावना के साथ प्रत्येक पात्र तक योजनाओं का लाभ पहुंचे : डिप्टी स्पीकर

जींद (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि नायब सरकार का मूल उद्देश्य अंत्योदय की भावना के साथ प्रत्येक पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। सरकार द्वारा योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित न रखते हुए उनका लाभ वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे, इसके लिए धरातल पर लगातार कार्य किया जा रहा है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्ति किसी योजना के लाभ से वंचित न रहे। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा शुक्रवार को अपने निवास पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे क्षेत्रवासियों की समस्याएं एवं शिकायतें सुन रहे थे। इस दौरान विभिन्न गांवों एवं क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सामूहिक समस्याओं को डा. कृष्ण लाल मिड्ढा के समक्ष रखा। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति की बात को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना और समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में आमजन अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। लोगों ने सड़क, शिक्षा, सफाईए पेंशन व अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने सहित विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी समस्याओं एवं मांगों को सामने रखा। डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसामान्य से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए तथा पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। डा. मिड्ढा ने कहा कि सरकार द्वारा जरूरतमंद, किसान, श्रमिक, महिला, युवा, बुजुर्ग तथा समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य आमजन के जीवन को सुगम बनाना और जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त करना है।

रक्षाबंधन पर महिला सशक्तिकरण की दिशा में अररिया पुलिस की पहल, अभया ब्रिगेड का फ्लैग ऑफ

अररिया (हिंस)। अररिया पुलिस केंद्र में रक्षा बंधन के मौके पर जिला पुलिस की पुलिस दीदी पेट्रोलिंग टीम अभया ब्रिगेड को एक कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक रक्षित संतोष कुमार पोद्दार के द्वारा शुक्रवार को हरी झंडी दिखाकर फ्लैग ऑफ किया गया। इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक, रक्षित संतोष कुमार पोद्दार द्वारा पुलिस दीदी टीम को महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, जागरूकता एवं सहायता के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने तथा आमजन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। स्कूटी पर सवार होकर ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए पुलिस दीदी टीम ने शहरी क्षेत्र सहित ग्रामीण इलाकों का दौरा किया और महिलाओं और बालिकाओं को किसी भी असुरक्षा को लेकर जागरूक रहने और पुलिस को सूचित करने को लेकर जन जागरूकता चलाया गया

लिव इन रिलेशन कानूनों की बदलने की मांग पर खापों ने डिप्टी स्पीकर को सौंपा ज्ञापन

जींद (हिंस)। माजरा खाप पंचायत, कंडेला खाप पंचायत जींद, नौगामा खाप पंचायत ने शुक्रवार को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा से मुलाकात की। खाप चौधरियों ने इन लिव इन रिलेशन जैसे कानूनों को रद्द करने व कुछ को संशोधित करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर गंदा परोसने वाले लोगों पर मुकद्मा दर्ज करवाने व प्रतिबंध लगाने की बात कही गई। माजरा खाप प्रधान गुरविंद्र सिंह संधू, कंडेला खाप प्रधान ओमप्रकाश कंडेला, नौगामा खाप प्रधान जयबीर ने कहा कि तीनों खापें जींद विधानसभा चुनाव क्षेत्र के तहत आती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार लव मैरिज, लिव इन, समलैंगिक, अश्लीलता पर सरकार सख्त कार्रवाई करे। विधानसभा में इन कानूनों पर चर्चा हो ओर लीव इन समलैंगिक को रद्द किया जाए। यह हिंदू संस्कृति संस्कार का हिस्सा नही है। लव मैरिज पर गांव, गौहांड, सम गोत्र में शादी पर प्रतिबंध लगाया जाए और मां-बाप की सहमती ली जाए, अन्यथा शादी को अवैध माना जाएं। माजरा खाप पंचायत के प्रवक्ता समुन्द्र सिंह फोर ने बताया कि इन कानूनों पर 18 अगस्त को मुख्यमंत्री से खाप पंचायतों की 31 सदस्य कमेटी की बैठक हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय मंत्री कृष्ण बेदी को खाप पंचायतों की बातें सुनने के लिए नियुक्त किया गया है। 23 अगस्त को बेदी से खाप पंचायतों ने मुलाकात की सहमति भी की। शीघ्र ही सरकार कानूनविद अधिकारीयों से खाप पंचायतों की बैठक का आयोजन करेंगी और इन कानूनों पर गहनता से अध्ययन करेंगी। इस अवसर पर महेन्द्र सिंह सहारण, रणबीर नंबरदार, बिंदर नंबरदार, दीपक सरपंच सहित अन्य खाप नेता मौजूद रहे।

राखी पर फ्री यात्रा का असर, रोडवेज बस स्टैंड पर उमड़ी महिलाओं की भीड़

उदयपुर (हिंस)। रक्षाबंधन के अवसर पर राजस्थान सरकार की ओर से महिलाओं और बालिकाओं को रोडवेज बसों में दो दिन नि:शुल्क यात्रा की सुविधा का असर शुक्रवार को उदयपुर रोडवेज बस स्टैंड पर दिखाई दिया। सुबह से ही बस स्टैंड पर महिलाओं और बालिकाओं की भीड़ नजर आई। बड़ी संख्या में महिलाएं राखी के त्योहार पर अपने मायके और भाइयों के घर जाने के लिए बसों का इंतजार करती दिखीं। रोडवेज के अनुसार 27 और 28 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे से 29 अगस्त रात 12 बजे तक राजस्थान की सीमा में साधारण, एक्सप्रेस और ब्लू लाइन बसों में महिलाओं और बालिकाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जा रही है। इस बार यह सुविधा दो दिन के लिए है। भीड़ से बचने के लिए कई महिलाएं गुरुवार रात से ही यात्रा पर रवाना हो गईं। यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए रोडवेज ने प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसें चलाने की तैयारी की है। वहीं लग्जरी और वोल्वो बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा नहीं है। इनमें महिलाओं को किराए में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। दूसरे राज्य तक यात्रा करने पर राजस्थान की सीमा के बाद का किराया यात्री को देना होगा। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की संख्या के अनुसार जरूरत वाले मार्गों पर अतिरिक्त बसें लगाई जाएंगी।

बीकानेर देहात की छह नगरपालिकाओं की 190 सीटों पर भाजपा का मंथन

बीकानेर (हिंस)। आगामी नगर निकाय चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा जयपुर स्थित प्रदेश कार्यालय में बीकानेर देहात जिले की नोखा, लूणकरणसर, श्रीडूंगरगढ़, नापासर, देशनोक एवं खाजूवाला नगरपालिकाओं की कुल 190 सीटों पर विस्तृत मंथन किया गया। बैठक में सभी संभावित प्रत्याशियों के नामों पर गंभीरता से चर्चा कर संगठन एवं जनप्रतिनिधियों की राय ली गई। भाजपा बीकानेर देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने बताया कि बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, संभाग प्रभारी डॉ. मिथिलेश गौतम, पर्यवेक्षक राजेंद्र गहलोत, चुनाव प्रभारी मुकेश दाधीच, जसवंत सिंह विश्नोई तथा जिला प्रभारी आत्माराम तरड़ की उपस्थिति में बैठक आयोजित हुई। बैठक में संबंधित क्षेत्रों के विधायकों की उपस्थिति में सभी वार्डों एवं सीटों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। संगठन की भावना, स्थानीय परिस्थितियों, जनस्वीकार्यता एवं चुनावी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जिताऊ और टिकाऊ प्रत्याशियों के चयन पर व्यापक चर्चा हुई तथा सभी नामों पर सर्वसम्मति से सहमति बनी। पंचारिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन की कार्यपद्धति के अनुरूप विचार-विमर्श एवं सहमति के आधार पर प्रत्याशियों का चयन करती है। पार्टी आगामी निकाय चुनावों में मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी और सभी छह नगरपालिकाओं में भाजपा का परचम लहराने के लिए कार्यकर्ता पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। जिला मीडिया संयोजक मनीष सोनी ने बताया प्रदेश नेतृत्व द्वारा अंतिम स्वीकृति के बाद भाजपा प्रत्याशियों की सूची शीघ्र जारी की जाएगी। इससे कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और सभी चुनावी तैयारियों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

लुधियाना में आईएसआई से जुड़े जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश, दुकानदार गिरफ्तार

लुधियाना (हिंस)। लुधियाना पुलिस ने कथित तौर पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उस पर संवेदनशील गतिविधियों पर नजर रखने और सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड सीमा पार बैठे लोगों तक पहुंचाने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक गुरदासपुर जिले के फतेहगढ़ चूड़ियां क्षेत्र के गांव सर्फ कोट के मूल निवासी रछपाल सिंह को गिरफ्तार किया गया है। लुधियाना में उसने फिरोजपुर रोड स्थित न्यू सुंदर नगर में एक दुकान किराए पर ले रखी थी। पुलिस को संदेह है कि इसी जगह से कथित जासूसी गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। उसने दुकान के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। पुलिस का आरोप है कि इन कैमरों की लाइव फीड पाकिस्तान में मौजूद लोगों को दी गई थी। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि कैमरों का नियंत्रण किन लोगों के पास था और इनका इस्तेमाल किन संवेदनशील स्थानों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जा रहा था। जांच के दौरान पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि वह कथित तौर पर अलग-अलग मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर लोगों को धमकियां देता था। पुलिस अब इन मोबाइल नंबरों और जासूसी गतिविधियों के बीच संभावित संबंधों की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार थाना सराभा नगर में ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट की धाराओं के तहत यह कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियां उसके संपर्कों और गतिविधियों की जांच कर रही हैं। जांच का मुख्य फोकस यह पता लगाने पर है कि सीसीटीवी कैमरों की पहुंच पाकिस्तान में किन लोगों को दी गई थी। वह किन व्यक्तियों के संपर्क में था और इस पूरे नेटवर्क से क्या संबंध है। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

राष्ट्रपति भवन पहुंचीं बलरामपुर की बेटियां, राष्ट्रपति को बांधीं राखी

बलरामपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद बलशामपुर के तुलसीपुर स्थित आदि-शक्ति मां पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल की चार छात्राओं के लिए रक्षाबंधन पर्व इस बार यादगार और ऐतिहासिक बन गया। राष्ट्रपति भवन से मिले विशेष निमंत्रण पर विद्यालय की छात्राएं नई दिल्ली पहुंचीं और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उन्हें रक्षासूत्र बांधा। इस दौरान राष्ट्रपति ने छात्राओं से आत्मीयता से बातचीत की और उन्हें आशीर्वाद दिया। विद्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि कक्षा 12 की प्रगति पाठक, कक्षा 10 की हर्षिता यादव, कक्षा 12 की प्रस्तुति गुप्ता तथा कक्षा नौ की अनुष्का पाण्डेय राष्ट्रपति भवन पहुंचीं। छात्राओं के साथ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. डीपी सिंह और अध्यापिका अनीता गुप्ता भी मौजूद रहीं। छात्राओं ने राष्ट्रपति को राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद छात्राओं में खासा उत्साह और खुशी देखने को मिली। सीमावर्ती एवं ग्रामीण अंचल के विद्यालय की छात्राओं को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन राष्ट्रपति से मिलने और उन्हें रक्षासूत्र बांधने का अवसर मिलना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। दिल्ली रवाना होने से पहले छात्राओं ने शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर पहुंचकर पीठाधीश्वर मिथिलेश नाथ योगी से आशीर्वाद लिया था। इसके अलावा दल ने गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में भी महायोगी गुरु गोरखनाथ का पूजन-अर्चन किया। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की खबर मिलते ही तुलसीपुर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय परिवार, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों ने छात्राओं को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्य डॉ. डीपी सिंह ने कहा कि छात्राओं के लिए यह अवसर जीवनभर याद रहने वाला है और विद्यालय परिवार के साथ पूरे जनपद के लिए गर्व की बात है।

अखिलेश पर जयंत का पलटवार : बोले, एबीसीडी के बाद भी बहुत कुछ आता है, समय आने पर दिखाएंगे

बागपत (हिंस)। बागपत पहुंचे केंद्रीय राज्यमंत्री और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने गुरुवार को खेकड़ा में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयानों पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि *एबीसीडी के बाद भी बहुत कुछ आता है, समय आने पर दिखा देंगे*। साथ ही कार्यकर्ताओं से संयम बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि किसी को भी *लक्ष्मण रेखा* पार नहीं करनी चाहिए। जयंत चौधरी खेकड़ा स्थित गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज में *प्रोजेक्ट पुस्तकालय* के तहत आनंदया फाउंडेशन द्वारा तैयार लाइब्रेरी के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक मर्यादा बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि विरोध अपनी जगह है, लेकिन भाषा और व्यवहार की सीमाएं नहीं टूटनी चाहिए। पोस्टर विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि पोस्टर किसने लगाए। वहीं एनडीए में रालोद को ज्यादा सीटें मिलने संबंधी अखिलेश यादव के बयान पर व्यंग्य करते हुए बोले, *क्या उन्हें ही पैरवी के लिए भेज दें?* चीनी के बढ़ते दामों के मुद्दे पर जयंत चौधरी ने कहा कि नया गन्ना सीजन शुरू होने वाला है और गन्ना किसानों की मेहनत से ही घर-घर मिठास पहुंचती है। इससे न सिर्फ किसान बल्कि चीनी मिलों के श्रमिक और पूरी इंडस्ट्री लाभान्वित होती है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों के हितों की बात करने के बजाय महंगाई के नाम पर भ्रम फैलाया जा रहा है। यूजीसी मामले पर उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन किया जा रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री से मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह के आदर्शों को नई पीढ़ी से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था पर भी बात करते हुए कहा कि स्कूलों को बेहतर बनाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, इसमें अभिभावकों और छात्रों की भी भागीदारी जरूरी है। इसी सोच के तहत 36 स्कूलों में *प्रोजेक्ट पुस्तकालय* के माध्यम से लाइब्रेरी विकसित की गई हैं। कार्यक्रम से पहले जयंत चौधरी ने खेकड़ा में रणजीत सिंह और बसी गांव में 108 वर्षीय छोटूराम की तेहरवीं में शामिल होकर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे छात्रों और खिलाड़ियों से संवाद करते हुए उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली। कार्यक्रम के पश्चात वह बागपत स्थित चौधरी अजित सिंह ज्ञान वाटिका (जाट भवन) भी पहुंचे।

दरबार साहिब में नतमस्तक हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान रक्षा बंधन के अवसर पर शुक्रवार को पंजाब दौरे पर अमृतसर पहुंचे। उन्होंने सच्चखंड श्री हरमंदिर साहिब में माथा टेककर गुरु घर का आशीर्वाद लिया। दरबार साहिब में नतमस्तक होने के बाद केंद्रीय मंत्री ने कुछ समय गुरु घर में बिताया और लंगर सेवा में हिस्सा लिया। उन्होंने लंगर हॉल में बर्तन साफ करके सेवा की। इस दौरान श्रद्धालुओं और पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। शिवराज सिंह चौहान रक्षाबंधन और रक्खड़ पुनिया मेला के अवसर पर पंजाब के दौरे पर हैं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यहां आकर एक नए प्रकाश व ऊर्जा का संचार हुआ है। गुरू घर में सभी एक समान है। आज उन्हें यहां आने का सौभाग्य मिला है। केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रम में किसानों से मुलाकात और संवाद प्रमुख रूप से शामिल है। इसके बाद केंद्रीय मंत्री उमरानंगल गांव में आयोजित *किसान चौपाल* में किसानों से संवाद करेंगे।

महिला को तीन तलाक बोलकर संबंध तोड़े, केस दर्ज

जोधपुर (हिंस)। कानूनी तौर पर तीन तलाक अमान्य होने के बावजूद आज भी लोग महिलाओं को तीन तलाक बोलकर संबंध विच्छेद कर रहे है। एक ऐसा ही मामला मथानिया के तिंवरी कस्बे का आया है। पीड़ित महिला ने अपने पति पर तीन तलाक का केस दर्ज कराया है। घटना मई में होना बताया गया है, पुलिस इसमें अब जांच में जुटी है। मथानिया पुलिस ने बताया कि पीड़ित महिला तिंवरी कस्बे की रहने वाली है। उसकी शादी बीकानेर के कादरी रोड निवासी कासिम से हुई थी। मगर वह निकाह के बाद से ही उसे प्रताड़ित कर रहा था। 2 मई को उसके पति कासिम ने तीन तलाक बोलकर उसे छोड़ दिया। परिवारों में बातचीत चली मगर वह नहीं माना। मथानिया पुलिस ने तीन तलाक के प्रकरण पर अब जांच आरंभ की है।

राजसमंद जिला कारागृह में बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

राजसमंद (हिंस)। रक्षाबंधन के अवसर पर राजसमंद जिला कारागृह में गुरुवार को भाई-बहन के प्रेम और भावनाओं का मार्मिक दृश्य देखने को मिला। जेल में बंद भाइयों को राखी बांधने पहुंची बहनों ने उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनसे अपराध की दुनिया छोड़कर नई जिंदगी शुरू करने का संकल्प लिया। राखी बांधते समय कई बहनों की आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने भाइयों से कहा कि उनके अपराध की सजा केवल उन्हें ही नहीं बल्कि पूरे परिवार को भी भुगतनी पड़ती है। बहनों ने भाइयों से जेल से बाहर आने के बाद पुरानी जिंदगी पीछे छोड़कर परिवार और समाज के लिए बेहतर इंसान बनने का आग्रह किया। इस दौरान कई भाइयों ने भी अपनी बहनों को भरोसा दिलाया कि भविष्य में वे किसी गलत रास्ते पर नहीं जाएंगे और परिवार के साथ सम्मानपूर्वक जीवन बिताने का प्रयास करेंगे। कुछ बंदी भाइयों के पास बहनों को देने के लिए उपहार नहीं था, लेकिन उनके शब्दों में बहनों के प्रति प्रेम और जिंदगी बदलने का संकल्प दिखाई दिया। डिप्टी जेलर भंवर सिंह, राजसमंद जिला कारागृह ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्णय के अनुसार महिलाओं को जेल में बंद अपने भाइयों को राखी बांधने का अवसर दिया गया। इस पहल का उद्देश्य भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करने के साथ बंदियों को परिवार और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराना भी है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपराध करने से पहले यह जरूर सोचना चाहिए कि उसके कदम का परिवार पर क्या असर पड़ेगा। अपराध की सजा केवल अपराध करने वाले व्यक्ति को नहीं मिलती बल्कि परिवार को भी मानसिक और सामाजिक पीड़ा झेलनी पड़ती है। रक्षाबंधन का यह आयोजन जेल में बंद भाइयों और उनके परिजनों के लिए भावुक पल लेकर आया। बहनों की ओर से बांधी गई राखी इस बार भाई की रक्षा के साथ अपराध से दूरी और नई जिंदगी की ओर लौटने के संकल्प का प्रतीक भी बनी।

शहरी इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी

भागलपुर (हिंस)। भागलपुर में गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर ने अब विकराल रूप धारण करना शुरू कर दिया है, जिससे पूरे जिले में चिंता की स्थिति बनी हुई है। गंगा का पानी अब केवल ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धीरे-धीरे शहरी क्षेत्र के मोहल्लों में भी प्रवेश करने लगा है। निचले इलाकों में रहने वाले हजारों लोगों की मुश्किलें हर घंटे बढ़ती जा रही हैं। बाढ़ का सबसे गंभीर असर नाथनगर प्रखंड में देखने को मिल रहा है। यहां के कई गांव पूरी तरह से बाढ़ के पानी की चपेट में आ गए हैं। सड़कों पर कई फीट पानी बहने के कारण ग्रामीणों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट गया है। लोगों को आवागमन करने और रोजमर्रा के जरूरी सामान जुटाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ के बढ़ते खतरे का असर अब शिक्षा व्यवस्था पर भी दिखने लगा है। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय परिसर के कई हिस्सों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। प्रशासनिक भवनों और विभागों के आसपास पानी फैलने से छात्र-छात्राओं और विश्वविद्यालय कर्मियों के बीच चिंता और अफरा-तफरी का माहौल है। अगर जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा, तो विश्वविद्यालय का कामकाज पूरी तरह ठप हो सकता है। बड़ी चिंता की बात यह है कि गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी का सिलसिला थम नहीं रहा है। आशंका जताई जा रही है कि यदि अगले 24 से 48 घंटों में पानी का बढ़ना बंद नहीं हुआ, तो शहर के कई अन्य निचले और रिहायशी इलाकों में भी बाढ़ का पानी तबाही मचा सकता है। इधर, जिला प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। प्रभावित और संवेदनशील इलाकों में लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रशासन की ओर से लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की सलाह दी गई है। फिलहाल, भागलपुर के लोगों के लिए आने वाले दिन बेहद चुनौतीपूर्ण नजर आ रहे हैं।

घरेलू सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ है। चांदी के भाव में लगातार पांचवे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,62,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,63,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,49,390 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,63,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,49,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,62,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,49,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,62,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,49,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,62,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,49,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,63,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,49,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,63,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,49,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,62,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,49,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

मुंबई में दूध 9 रुपए महंगा, अब 102 रुपये लीटर तक पहुंचा दाम, उत्पादन लागत में वृद्धि के चलते हुआ इजाफा, 1 सितंबर से प्रभावी होंगी नई दरें

मुंबई। मुंबई के उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। दूध उत्पादकों ने दूध की कीमतों में 9 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी का ऐलान किया है, जिससे अब एक लीटर दूध 93 रुपए की जगह 102 रुपए में मिलेगा। ये नई दरें 1 सितंबर 2026 से लागू होंगी और 28 फरवरी 2027 तक प्रभावी रहेंगी, जिससे त्योहारों और सर्दियों के मौसम में लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। दूध रोजमर्रा की जरूरत का हिस्सा होने के कारण इस बढ़ोतरी का सीधा असर परिवारों के मासिक बजट पर पड़ सकता है। दूध उत्पादकों ने इस मूल्यवृद्धि का मुख्य कारण उत्पादन लागत में लगातार हो रही बढ़ोतरी बताया है। डेयरी पशुओं की खरीद से लेकर उनके चारे और पशु आहार की कीमतें बेतहाशा बढ़ी हैं। उत्पादकों के मुताबिक, पशु आहार में इस्तेमाल होने वाले अनाज, तूर चुनी और चना चुनी जैसे उत्पादों की कीमतों में करीब 25 फीसदी तक का उछाल आया है। इसके अलावा, खली और अन्य आवश्यक पशु आहार भी महंगे हो गए हैं, जिससे पशुपालन का कुल खर्च काफी बढ़ गया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट पर पड़ेगा, क्योंकि दूध रोजमर्रा की जरूरत का हिस्सा है। त्योहारों के मौसम में दूध की खपत बढ़ने के कारण मिठाई और अन्य डेयरी उत्पादों की लागत भी बढ़ने की आशंका है। दूध उत्पादकों का कहना है कि बढ़ती लागत के साथ मौजूदा दरों पर कारोबार चलाना असंभव हो गया था, जिसके बाद यह कठोर फैसला लेना पड़ा। अब चाय, दही और अन्य दूध से बनने वाले उत्पादों के दाम भी बढ़ सकते हैं ।

वोडाफोन आइडिया को एजीआर राहत से मिली मजबूती, 34,552 करोड़ का एकमुश्त लाभ दर्ज

नई दिल्ली। वोडाफोन आइडिया (वीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) के पुनर्मूल्यांकन से कंपनी की वित्तीय स्थिति काफी मजबूत हुई है और भविष्य के भुगतानों पर स्पष्टता मिली है। उन्होंने वित्त वर्ष 2026-27 को कंपनी के लिए काम को अमल में लाने और पूर्ण करने का साल बताया। केंद्र सरकार ने कर्ज में डूबी वीआई की एजीआर देनदारी करीब 27 प्रतिशत घटाकर 64,046 करोड़ रुपए कर दी है, जिससे कंपनी को 34,552 करोड़ रुपए का एकमुश्त कर-पश्चात लाभ हुआ है। बिड़ला ने कहा कि एक स्पष्ट दीर्घकालिक पुनर्भुगतान कार्यक्रम तय होने से अनिश्चितता दूर हुई है। कंपनी को मार्च 2032 से 2035 तक सालाना न्यूनतम 100 करोड़ रुपए, और मार्च 2036 से 2041 तक सालाना 10,608 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा। बिड़ला ने बताया कि कंपनी ने पहले ही 9,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय के आर्डर दे दिए हैं। वोडाफोन और आइडिया के विलय के बाद, वीआई ने जून 2026 की तिमाही में पहली बार शुद्ध ग्राहक जोड़े, यद्यपि सालाना आधार पर ग्राहकों की संख्या में मामूली गिरावट रही।

सुभाष चंद्रा के 6.25 करोड़ के समाधान प्लान पर एचडीएफसी बैंक की आपत्ति, एनसीएलटी के फैसले को एनसीएलएटी में चुनौती देने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली। देश का सबसे बड़ा प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक, एस्सेल समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा से जुड़े एक मामले में नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के फैसले को नेशनल कंपनी ला अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) में चुनौती देने पर विचार कर रहा है। बैंक 22,000.57 करोड़ रुपये के स्वीकार किए गए दावों के मुकाबले चंद्रा द्वारा व्यक्तिगत गारंटर के तौर पर पेश किए गए महज 6.25 करोड़ रुपये के भुगतान प्लान से असंतुष्ट है। एनसीएलटी ने 80.81 फीसदी वोटिंग शेयर वाले कर्जदाताओं के समर्थन के बाद इस भुगतान प्लान को मंजूरी दी थी, लेकिन एचडीएफसी बैंक ने इसका विरोध किया था और इसके खिलाफ वोट भी दिया था। बैंक ने स्पष्ट किया है कि कुल स्वीकार किए गए दावों में उसकी हिस्सेदारी लगभग 3.2 फीसदी थी, जो मूल रूप से एचडीएफसी लिमिटेड द्वारा दिया गया कर्ज था और जिसका 2023 में एचडीएफसी बैंक में विलय हो गया।

ब्याज दरें बढ़ाने से पहले लिक्विडिटी घटाएगा आरबीआई, बैंकिंग तंत्र में बढ़ती अधिशेष नकदी पर अंकुश लगाने की तैयारी

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने से पहले बैंकिंग तंत्र में मौजूद अतिरिक्त लिक्विडिटी (नकदी) को कम करने के लिए एक अहम कदम उठा सकता है। इसके तहत, केंद्रीय बैंक वृद्धिशील नकद आरक्षी अनुपात (आई-सीआरआर) लागू करने पर विचार कर रहा है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की हालिया बैठक का ब्योरा जारी होने के बाद नीतिगत रेपो दर में वृद्धि की संभावनाएं और प्रबल हो गई हैं, जिसके अक्टूबर में ही होने का अनुमान है। आरबीआई का यह संभावित कदम ऐसे समय में सामने आया है जब भारतीय बैंकिंग तंत्र में अधिशेष नकदी लगातार बढ़ रही है।

आई-सीआरआर लागू होने पर बैंकों को अपनी नई जमा राशि का एक बड़ा हिस्सा केंद्रीय बैंक के पास आरक्षित रखना होगा, जिससे बाजार में नकदी का प्रवाह नियंत्रित होगा। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि पहले यह अनुमान था कि ब्याज दरों में बदलाव अगले वित्त वर्ष में होगा, लेकिन एमपीसी बैठक के सख्त रुख वाले ब्योरे के बाद अब अक्टूबर की बैठक में ही रेपो दर में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, त्योहारों के मौसम से पहले सरकारी खर्च बढ़ने और कोर लिक्विडिटी में वृद्धि के साथ, बैंकिंग तंत्र में अधिशेष नकदी का स्तर और बढ़ सकता है। आरबीआई द्वारा अतिरिक्त लिक्विडिटी को सोखने के लिए रोजाना वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) नीलामी के बावजूद ओवरनाइट दरें अभी भी रीपो दर से नीचे चल रही हैं, जो लिक्विडिटी प्रबंधन की चुनौती को दर्शाती हैं। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज प्राइमरी डीलरशिप के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि हमें उम्मीद है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति दिसंबर में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला शुरू कर देगी, हालांकि अक्टूबर की बैठक में भी दरें बढ़ाए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी जोड़ा कि ब्याज दरें बढ़ाने से पहले आरबीआई को इस अधिशेष लिक्विडिटी की समस्या से निपटना होगा, जो आने वाले हफ्तों में 9 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। प्रसन्ना के मुताबिक, सही तरीके से लिक्विडिटी का प्रबंधन किए बिना रेपो दर बढ़ाना उल्टा असर डाल सकता है।

कच्चे तेल की कीमतों में फिर गिरावट, ब्रेंट 88 डालर के करीब, डब्ल्यूटीआई लगभग 83.76 डालर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड का नवंबर वायदा 0.36 फीसदी टूटकर 88.20 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा भी 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ 83.32 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, जो आम तौर पर तेल की कीमतों में उछाल लाता है।दिनभर के कारोबार में ब्रेंट क्रूड 88.10 से 88.73 डालर के दायरे में रहा, जबकि डब्ल्यूटीआई 83.03 से 83.76 डालर के बीच कारोबार करता दिखा। हालांकि, इस बार बाजार की प्रतिक्रिया अलग है। आम तौर पर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने पर वैश्विक तेल आपूर्ति में रुकावट की आशंका से कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार बाजार में ऐसी कोई चिंता नहीं दिख रही है। यही कारण है कि ब्रेंट क्रूड 90 डालर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गया है। पूरे हफ्ते की बात करें तो कच्चे तेल में अच्छी-खासी कमजोरी देखी गई है। इस सप्ताह ब्रेंट क्रूड में लगभग 5.3 फीसदी और डब्ल्यूटीआई में करीब 4.3 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। यह कमजोरी बनी रहती है, तो यह लगातार दो हफ्तों की तेजी के बाद कच्चे तेल की पहली साप्ताहिक गिरावट होगी। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका और तेल की पर्याप्त आपूर्ति बाजार पर दबाव बनाए हुए है।

कंपनियों की राजस्व वृद्धि में सुस्ती तय, परिचालन लाभ मार्जिन भी घटेगा: इक्रा

मुंबई

रेटिंग एजेंसी इक्रा (आईसीआरए) ने भारतीय कंपनियों के लिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में राजस्व वृद्धि में उल्लेखनीय गिरावट का अनुमान जताया है। एजेंसी के अनुसार यह वृद्धि पहली तिमाही के 21.3 प्रतिशत से घटकर 13-15 प्रतिशत रह सकती है, जबकि परिचालन लाभ मार्जिन में भी 1 से 1.5 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

कमजोर वैश्विक मांग और ग्रामीण खपत पर संभावित जोखिम को इसका मुख्य कारण बताया गया है। इक्रा के एक अधिकारी ने बताया कि वैश्विक मांग में कमजोरी से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और परिधान जैसे निर्यात-उन्मुख क्षेत्र प्रभावित होंगे। हालांकि, वाहन, खुदरा, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु और आतिथ्य जैसे घरेलू खपत पर निर्भर क्षेत्रों की राजस्व वृद्धि अपेक्षाकृत बेहतर रह सकती है। उन्होंने आगाह किया कि अगस्त-सितंबर में सामान्य से कम बारिश का अनुमान कृषि उत्पादन और ग्रामीण खपत के लिए जोखिम पैदा कर सकता है, जिससे खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका है। कच्चे माल, ईंधन और पैकेजिंग की ऊंची लागत से भी कंपनियों के परिचालन लाभ मार्जिन पर दबाव बना रहेगा। तेलशोधन, विमानन, एफएमसीजी और सीमेंट जैसे ऊर्जा-गहन क्षेत्रों पर कच्चे तेल और संबंधित उत्पादों की बढ़ती कीमतों का सीधा असर पड़ सकता है। हालांकि, कई कंपनियां इन बढ़ी हुई लागतों का बोझ ग्राहकों पर डालने का प्रयास कर रही हैं। धातु एवं खनन, तेल एवं गैस उत्पादन और दूरसंचार जैसे कुछ क्षेत्र अनुकूल कीमतों और परिचालन दक्षता के कारण अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में रहेंगे। इक्रा ने यह भी कहा कि मार्जिन पर दबाव के बावजूद भारतीय कंपनियों की ऋण संबंधी स्थिति मजबूत बनी रहने की संभावना है।

वैश्विक मांग में कमजोरी और ग्रामीण खपत पर जोखिम से दूसरी तिमाही में दिखेगा असर

वीडियोगेम्स का सबसे बड़ा व्यापार मेला

जर्मनी । जर्मनी के कोलोन में नेटइज गेम्स गेम्सकाम 2026 में कोस प्लेयर तस्वीरों के साथ ही पोज देते हुए। गेम्सकाम कम्प्यूटर और वीडियोगेम्स का सबसे बड़ा व्यापार मेला है। इसमें चीन की सबसे ज्यादा कंपनियां भाग ले रही हैं। इसमें करीब 60 चीनी कंपनियां गेंम्स पेश कर रही हैं।

नासिक से 453 टन प्याज लेकर कांदा एक्सप्रेस' पहुंची दिल्ली, उपभोक्ता को मिलेगा 35 रुपये प्रति किलो

नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली और आसपास के शहरों में प्याज की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए महाराष्ट्र के नासिक से लगभग 453.65 टन प्याज लेकर पहली कांदा एक्सप्रेस' दिल्ली पहुंची। ये प्याज उपभोक्ताओं को 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध होगा।

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि 21 वैगनों में 453.65 टन प्याज लेकर पहली कांदा एक्सप्रेस' नई दिल्ली पहुंची है। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) की प्याज वाली मोबाइल वैन से शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि इस प्याज को दिल्ली-एनसीआर में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचा जाएगा। इसका कुछ हिस्सा चंडीगढ़, लुधियाना और जम्मू जैसे नजदीकी शहरों में भी भेजा जाएगा।

खरे ने बताया कि चेन्नई जाने वाली कांदा एक्सप्रेस' के रैक को लोड किया जाएगा, जिसके बाद तीन अन्य गंतव्यों मदुरै, एर्नाकुलम और गुवाहाटी के लिए एक के बाद एक रैक रवाना की जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि बफर स्टाक जारी होने से एक सप्ताह के भीतर दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमतों में कमी होने की उम्मीद है।

राजधानी नई दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमतें 88 फीसदी बढ़कर 62 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं, जो एक साल पहले 33 रुपये प्रति किलोग्राम थीं। इस दिन अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 46.58 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जबकि थोक भाव 38.29 रुपये प्रति किलोग्राम था। केंद्र सरकार के पास इस समय मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत बफर स्टाक के रूप में लगभग 1.21 लाख टन प्याज मौजूद है।

फाक्सवैगन ने की नई काम्पैक्ट एसयूवी लान्च करने की घोषणा

नई दिल्ली

साल 2027 तक फाक्सवैगन कंपनी ने एक बिल्कुल नई काम्पैक्ट एसयूवी लान्च करने की घोषणा की है। हालांकि, फाक्सवैगन ने अभी तक इस आगामी एसयूवी का आधिकारिक नाम या विस्तृत फीचर्स जारी नहीं किए हैं, लेकिन माना जा रहा है कि यह काफी हद तक स्कोडा कायलाक के प्लेटफार्म पर आधारित होगी। यह गाड़ी देश के सबसे लोकप्रिय 4-मीटर से छोटे एसयूवी सेगमेंट में अपनी जगह बनाएगी, जहां इसका सीधा मुकाबला मारुति ब्रेज़ा, टाटा नेक्सन, हुंडई वेन्यू, किआ सानेट, महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ और स्कोडा कायलाक जैसी स्थापित खिलाड़ियों से होगा। यह कदम फाक्सवैगन को भारतीय परिवारों के लिए एक आकर्षक और प्रतिस्पर्धी विकल्प पेश करने में मदद करेगा। डिजाइन के मामले में, यह नई एसयूवी ब्राजील में बिकने वाली फाक्सवैगन टेरा से मिलती-जुलती हो सकती है, हालांकि

भारतीय बाजार की ज़रूरतों के हिसाब से इसमें कुछ बदलाव किए जाएंगे। उम्मीद है कि इसमें पतली एलईडी हेडलैंप्स, आपस में जुड़ी हुई लाइट स्ट्रिप, एक स्पोर्टी बंपर, रूफ रेल्स और पीछे की तरफ कनेक्टेड एलईडी लाइट मिलेगी। आकार की बात करें तो, भारत में टैक्स नियमों का लाभ उठाने के लिए इसकी लंबाई 4 मीटर से कम रखी जाएगी, जबकि वैश्विक माडल टेरा की लंबाई 4.15 मीटर है।

फाक्सवैगन एक ज्यादा स्पोर्टी जीटी वेरिएंट भी पेश कर सकता है, जिसमें विशेष बैज और अनोखे डिज़ाइन एलिमेंट्स होंगे। केबिन और फीचर्स के मामले में, यह नई एसयूवी काफी हद तक स्कोडा कायलाक के इंटीरियर से मेल खाएगी। इसके अंदर 10-इंच की बड़ी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस फोन कनेक्टिविटी, आटोमैटिक एसी और सनरूफ जैसे आधुनिक फीचर्स मिलने की संभावना है। यात्रियों के आराम के लिए इसमें वायरलेस फोन चार्जर और हवादार सीटें भी दी जा सकती हैं। इंजन की बात करें तो, इसमें स्कोडा कायलाक वाला ही 1.0-लीटर का टर्बो पेट्रोल इंजन मिलने की उम्मीद है।

अगले महीने लांच होगी तीन दमदार गाड़ियां

नई दिल्ली। भारतीय आटोमोबाइल बाजार में 5 सितंबर तक लगातार तीन दमदार गाड़ियां लान्च होने वाली हैं। आने वाले कुछ दिन ग्राहकों के लिए बेहद रोमांचक होने वाले हैं। नई गाडियों के इस लान्च लाइनअप में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की हेक्टर हाक ईवी, किआ सोरेन्टो और मारुति सुजुकी की पापुलर हैचबैक बलेनो का फेसलिफ्टेड वर्जन शामिल है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी, एमजी हेक्टर हाक ईवी को 26 अगस्त को लान्च करने की तैयारी में है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध वूलिंग स्टारलाइट 560 ईवी पर आधारित यह माडल 69.2 किलोवाट आवर बैटरी पैक और एक फ्रंट-माउंटेड इलेक्ट्रिक मोटर के साथ आएगा, जो लगभग 204 पीएस की पावर और 310 एनएम का टार्क देगा। इसकी अनुमानित रेंज 530 किलोमीटर हो सकती है, साथ ही इसमें डीसी फास्ट चार्जिंग सपोर्ट भी मिलेगा। इसके बाद 4 सितंबर को किआ इंडिया अपनी सबसे बड़ी आईसीई एसयूवी, किआ सोरेन्टो को लान्च करेगी। सोरेन्टो के साथ किआ हाइब्रिड एसयूवी सेगमेंट में भी कदम रखेगी, जिसमें 1.6-लीटर टर्बो-पेट्रोल स्ट्रान्ग हाइब्रिड इंजन (238 पीएस, 380 एनएम) और 2.2-लीटर डीजल इंजन (202 पीएस, 441 एनएम) के विकल्प मिलेंगे। हाइब्रिड वर्जन में एफडब्ल्यूडी और एडब्ल्यूडी दोनों विकल्प उपलब्ध होंगे। इस त्रयी में आखिरी लान्च 5 सितंबर को मारुति सुजुकी बलेनो फेसलिफ्ट का होगा। यह अपडेटेड वर्जन मौजूदा सेकेंड जेनरेशन बलेनो के मूल स्वरूप को बनाए रखेगा, लेकिन इसमें कई बाहरी और फीचर्स संबंधी बदलाव देखने को मिलेंगे। यांत्रिक रूप से, बलेनो फेसलिफ्ट में मौजूदा 1.2-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन जारी रहने की संभावना है, जो लगभग 88 बीएचपी की पावर और 113 एनएम का टार्क देता है।

आस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ भारत-ए की कप्तानी करेंगी यस्तिका और अनुष्का

मुम्बई

यस्तिका भाटिया आस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय और चार दिवसीय सीरीज में भारतीय ए टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं टी 20 टीम की कमान अनुष्का शर्मा को सौंपी गयी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने आस्ट्रेलिया-ए के आगामी भारत दौरे के लिए टीम भारत-ए टीम की घोषणा के दौरान ही यस्तिका और अनुष्का को कप्तान बनाने की भी घोषणा की। इस महत्वपूर्ण दौरे पर भारत-ए की कमान दो युवा और प्रतिभाशाली चयन समित के इस फैसले से साफ है कि वह टीम में युवा नेतृत्व तैयर कर रहा है जो आने वाले समय में टीम की जिम्मेदारी उठा सके। इसी के तहत ही चयन समिति ने सयाली सतघरे को टी-20 प्रारूप के लिए उपकप्तान बनाया है। वहीं एकदिवसीय और चार दिवसीय मुकाबले में अनुष्का शर्मा को उपकप्तान की भूमिका निभाएंगी। यह व्यवस्था खिलाड़ियों को विभिन्न प्रारूपों में नेतृत्व कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करेंगी, जिससे भविष्य के लिए एक मजबूत और बहुमुखी नेतृत्व समूह तैयार हो सके। आस्ट्रेलिया एक क यह भारत दौरा 12 सितंबर से शुरू होगा और इसमें भारतीय महिला क्रिकेट के लिए कई रोमांचक मुकाबले शामिल हैं। कुल मिलाकर, दौरे में तीन टी-20 मुकाबले, तीन एकदिवसीय मैच और एक चार दिवसीय मैच शामिल है, जो खिलाड़ियों के विभिन्न कौशलों और शारीरिक फिटनेस की परीक्षा लेंगे। इस दौरे के टी-20 मैच न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे, जो युवा खिलाड़ियों के लिए एक नया अनुभव होगा। वहीं एकदिवसीय मुकाबलों की मेजबानी मोहाली का प्रसिद्ध पीसीए स्टेडियम करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए जाना जाता है। एकमात्र चार दिवसीय मुकाबला हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में खेला जाएगा। टी-20 सीरीज 12 सितंबर को शुरु होगी। जिसके बाद 15 और 17 सितंबर को अगले दो मैच न्यू चंडीगढ़ में ही खेले जाएंगे। 20, 23 और 25 सितंबर को एकदिवसीय सीरीज के रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगेअंत में, दौरे का समापन 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक धर्मशाला में होने वाले चार दिवसीय मैच के साथ होगा

टीम इस प्रकार हैं :

टी-20 के लिए भारत ए टीम: अनुष्का शर्मा (कप्तान), सयाली सतघरे, वृंदा दिनेश, सुजाता डे, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, शिप्रा गिरी, श्वेता सहरावत, उमा छेत्री, तनुजा कंवर, मीनू मणि, वैष्णवी शर्मा, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, सिमरन दिल बहादुर।

एकदिवसीय टीम: यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, वृंदा दिनेश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, उमा छेत्री, मीनू मणि, अमनदीप कौर, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

चारदिवसीय मैच की टीम: यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, शुभा सतीश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, ममता माडिवाला, सुश्री दिव्यदर्शिनी, शुचि उपाध्याय, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

न्यूज ब्रीफ

प्रज्ञानानंद ने रचा इतिहास, ग्रैंड चेस टूर फाइनल जीतने वाले पहले भारतीय बने

सेंट लुइस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार वापसी करते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने

फैबियानो करूआना को हराकर ग्रैंड चेस टूर फाइनल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल के आखिरी दिन प्रज्ञानानंद छह अंकों के बड़े अंतर से पीछे थे, लेकिन उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए दोनों रैपिड बाजियां जीत लीं। इसके बाद ब्लिट्ज में दबाव भरे मुकाबले के बावजूद बढ़त कायम रखते हुए 15-13 के स्कोर से खिताब अपने नाम किया। यह प्रज्ञानानंद के करियर का अब तक का सबसे बड़ा खिताब है। इस जीत के साथ उन्हें दो लाख अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि मिली। करूआना ने क्लासिकल मुकाबलों के बाद छह अंकों की बढ़त बना रखी थी। प्रज्ञानानंद ने हालांकि रैपिड और ब्लिट्ज में मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने पहले क्लासिकल मुकाबले में 0-6 से हार झेली, जबकि दूसरा मुकाबला 3-3 से ड्रा रहा। इसके बाद उन्होंने दोनों रैपिड मुकाबले जीतकर बढ़त हासिल की और चार ब्लिट्ज बाजियों में उसे बरकरार रखा। खिताबी जीत के बाद प्रज्ञानानंद ने कहा कि वह इस खिताब को जीतकर खुश हैं। उन्होंने ग्रैंड चेस टूर को विश्व चैंपियनशिप के बाद परंपरा के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में से एक बताया।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन पाक गेंदबाज हावी रहे, मेजबानों ने 248 रनों पर ही 9 विकेट गंवाए

लार्ड्स। मोहम्मद अब्बास और मोहम्मद अली की शानदार गेंदबाजी से पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। इससे मेजबान इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज दिन का खेल खत्म होने तक 9 विकेट पर 248 रन ही बना पाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय गस एटकिंसन 34 रन और जोश टंग 1 रन पर खेल रहे थे। पाकिस्तानी गेंदबाजों ने पहले दिन सधी हुई गेंदबाजी कर मेजबान टीम को कोई अवसर नहीं दिया। मोहम्मद अब्बास ने कुल 4 महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसके अलावा मोहम्मद अली ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट लिए और विरोधी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा। खुर्रम शहजाद को भी एक विकेट मिला। पाक टीम अपनी रणनीति में सफल रहा और इंग्लैंड को एक बड़े स्कोर की ओर बढ़ने से रोक दिया। इंग्लैंड की ओर से केवल जार्डन काक्स और जेमी स्मिथ ही कुछहदक तक बल्लेबाजी कर पाये। स्मिथ ने 80 गेंदों में 61 रन बनाए, जबकि जार्डन काक्स ने 105 गेंदों में 55 रन बनाये।

ला लीगा में बार्सिलोना ने अपना दूसरा मैच भी जीता, बिलबाओ को 2-0 से हराया, राफिन्हा और लोपेज ने दागे गोल

मैड्रिड। स्पेनिश क्लब एफसी बार्सिलोना ने इस बार ला लीगा फुटबाल सत्र की अच्छी शुरुआत करते हुए अपना दूसरा मुकाबला भी जीत लिया है। बार्सिलोना ने अपने दूसरे मुकाबले में एथलेटिक बिलबाओ को 2-0 से हराया। इस जीत में राफिन्हा और फर्मिन लोपेज की अहम भूमिका रही है। इन दोनो ने ही एक-एक गोलकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इससे टीम को 3 महत्वपूर्ण तीन अंक मिले। राफिन्हा ने मैच के 37वें मिनट में पेड्री के एक बेहतरीन मूव पर टीम के लिए पहला गोल किया। बार्सिलोना की टीम पूरे समय खेल पर हावी रही। वहीं एथलेटिक बिलबाओ का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह एक भी गोल नहीं कर पायी। बार्सिलोनो के लामिन यमल ने बिलबाओ पर एक के बाद एक हमले किये हालांकि वह उन्हें गोल में बदल नहीं पाये। बिलबाओ के गोलकीपर उनाई साइमन ने कई गोल रोके पर 82वें मिनट में बार्सिलोना के फर्मिन लोपेज के गोल को वह नहीं रोक पाये। इससे बार्सिलोना की बढ़त 2-0 हो गई और उनकी जीत पक्की हो गयी। एक अन्य मुकाबले में सेल्टा विगो को ओसासुना के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अच्छी शुरुआत के बाद भी हार का सामन करना पड़ा। सेल्टा को इयागो एस्पस ने शुरुआती गोल करके बढ़त दिलाई पर दूसरे हाफ में मैच पलट गया। डिफेंडर मार्कोस अलोंसो को खतरनाक फाउल के लिए वीएआर जांच के बाद लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया।

खेलों से विकसित होता है अनुशासन व आत्मविश्वास : प्रो. एस के काबिया

बैडमिंटन कोर्ट पर खिलाड़ियों का दमखम, खिताब के लिए भिड़ेंगे विजेता

राष्ट्रीय खेल दिवस पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता शुरू, महिला-पुरुष वर्ग में हुए रोमांचक मुकाबले

झांसी

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद शारीरिक शिक्षा विभाग में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता के तहत बैडमिंटन मुकाबले हुए। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने कोर्ट पर जमकर पसीना बहाया और जीत के लिए शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले शनिवार को होंगे।

प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि आईक्यूएसी निदेशक प्रो. सुनील कुमार काबिया रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं हैं, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और संघर्ष करने की क्षमता विकसित होती है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के साथ मेजर ध्यानचंद के खेल जीवन, समर्पण और राष्ट्र के प्रति योगदान को याद करने का अवसर भी देता है। खिलाड़ियों को परिणाम की चिंता किए बिना पूरी खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना चाहिए।

इस दौरान डा. कन्हैयालाल सोनकर, डा. स्वप्ना सक्सेना, डा. विनोद बौद्ध, डा. यज्ञपाल सिंह, डा. रोहित तिवारी, मिस प्रीति श्रीवास और कुण्डेश्वर बाबू मौजूद रहे। प्रतियोगिता के संयोजक डा. ज्ञान अरजरिया और डा. कृष्णा पांडेय रहे। मंच संचालन आरती वर्मा ने किया। देव कुमार, दिशा राजा, अनामिका गौर, सत्येंद्र साहू, शिवम, विष्णु और पारस ने आफिशियल एवं निर्णायक की भूमिका निभाई।

महिला वर्ग में रीवा, अनामिका और काव्या ने मारी बाजी

बैडमिंटन के महिला वर्ग में पहला मुकाबला बीपीएड की रीवा और बीएससी की स्नेहा के बीच हुआ। रीवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्नेहा को 15-5 से पराजित किया। दूसरे मुकाबले में बीपीएड की अनामिका ने दिशा को 15-10 से हराया।

तीसरे मुकाबले में बीपीएड की जोया और बीपीईएस की काव्या आमने-सामने रहीं। कड़े मुकाबले में काव्या ने जोया को 15-11 से शिकस्त देकर अगले दौर में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग में नौसाद का दबदबा पुरुष वर्ग के मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। पहले मुकाबले में बीपीएड के नौसाद खान ने बीपीईएस के शौर्य को 15-1 से हराया। इसके बाद विष्णु ने दीपांशु को 15-7 से पराजित किया। पारस और लकी के बीच हुए मुकाबले में लकी ने 15-9 से जीत दर्ज की।

बीसीए के कृष्णा टंडन और प्रतीक के बीच हुए मुकाबले में प्रतीक ने 15-10 से बाजी मारी। अंतिम मुकाबले में शिवम ने बाबू राजा को 15-7 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

शनिवार को होंगे सेमीफाइनल और फाइनल

सभी मुकाबले सफलतापूर्वक संपन्न हुए। अब शनिवार को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। खिताबी मुकाबले को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह है।

मेजर ध्यानचंद का जीवन प्रेरणास्रोत : डा. बाबेले

विभागाध्यक्ष डा. राजीव बाबेले ने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन अनुशासन, नियमित अभ्यास और समर्पण की मिसाल है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

पीएमओ की ओलंपिक पोस्ट पर विनेश ने उठाये सवाल

चंडीगढ़

महिला पहलवान विनेश फोगाट ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी ओलंपिक पोस्ट को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। पोस्ट में ओलंपिक प्रदर्शन और पदक तालिका में सुधार को लेकर बातें कही गयी हैं। इसके बाद विनेश ने कहा कि खेल महासंघों में जब तक राजनीतिक हस्तक्षेप रहेगा तब तक पदक तालिका में सुधार कैसे हो सकता है। इसके साथ ही विनेश ने महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा पर भी सवाल उठाये हैं।

इससे पहल प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया में एक पोस्ट साझा की थी, जिसमें भारत के ओलंपिक प्रदर्शन का विश्लेषण किया गया था। पोस्ट में कहा गया था कि ओलंपिक में कई तरह के खेल शामिल होते हैं पर भारत की भागीदारी उनमें से आधे से भी कम खेलों में ही है। इससे

महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा का मामला उठाया

भारतीय खिलाड़ी पदक तालिका में भी काफी पीछे रहते हैं। इसी को लेकर पीएमओ ने कहा कि अगर भारत को ओलंपिक में पदकों की संख्या बढ़ानी है, तो उसे नए और अधिक खेलों में भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ उनमें बेहतर प्रदर्शन करने पर ध्यान देना होगा। इसी पर पलटवार करते हुए विनेश ने प्रधानमंत्री से ही सवाल किया और पूछा, खिलाड़ी उन प्रतियोगिताओं में कैसे भाग ले पाएंगे, जहां महासंघों में आपकी पार्टी से जुड़े ऐसे लोग मौजूद हैं, जिन पर गंभीर आरोप लगे हैं विनेश ने इसके साथ ही महिला खिलाड़ियों के कथित यौन उत्पीड़न का मामला भी जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे व्यक्तियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता है, जिससे वे इस प्रकार की हरकतें करते रहते हैं।

विनेश की ये प्रतिक्रिया भारतीय कुश्ती महासंघ से जुड़े मामले को लेकर हैं। जिसमें उन्होंने और कई अन्य महिला पहलवानों ने तब कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषणा के आरोप लगाये थे।

स्वीटजरलैंड में डायमंड लीग एथलेटिक्स

स्वीटजरलैंड में डायमंड लीग एथलेटिक्स में स्थानीय एथलीट एड्री वेरो ने महिलाओं की 800 मीटर रेस में जीत हासिल की।

इमरान के बेटे बोले, सैनिक तानाशाही के डर से उनके पिता का खुलकर समर्थन नहीं कर रहे पाक क्रिकेटर

लंदन

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों कासिम और सुलेमान ने एक साक्षात्कार में कहा है कि सैनिक शासन के डर से पाकिस्तानी क्रिकेटर उनके पिता का समर्थन नहीं कर पा रहे हैं। वहीं इससे पहले कई लोगों ने इस मामले में पाक क्रिकेटरों की चुप्पी पर सवाल उठाये थे।

गौरतलब है कि इमरान खान की रिहाई और उन्हें उचित चिकित्सा सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए दुनिया भर के कई पूर्व क्रिकेट कप्तानों ने एक हस्ताक्षर अभियान चलाया है। इस अभियान में भारत के कई पूर्व दिग्गज कप्तान, जो इमरान खान के साथ खेल चुके हैं, सहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बिरादरी के बड़े नाम शामिल हुए हैं। इन सभी ने पाक सरकार से मानवाधिकारों और मानवीय आधार पर इमरान को बेहतर सुविधाएँ देने का अनुरोध किया है। हालांकि, इस अंतरराष्ट्रीय समर्थन के बावजूद, यह बेहद निराशाजनक और चिंताजनक रहा कि पाक के ही पूर्व कप्तान और महान खिलाड़ी इस सूची से पूरी तरह नदारद रहे, जिस पर कासिम और सुलेमान ने अपनी गहरी निराशा व्यक्त की।

आर्थटन ने कासिम और सुलेमान से सीधे यह तीखा सवाल पूछा कि जब दुनिया भर के कई पूर्व कप्तान आपके पिता के समर्थन में आगे आए हैं और उन्होंने पाकिस्तान सरकार से उनकी रिहाई व बेहतर इलाज के लिए अनुरोध किया है, तो उस सूची में पाकिस्तान के कुछ महान क्रिकेटरों के हस्ताक्षर क्यों नहीं हैं इस पर आप क्या कहेंगे, और उनके समर्थन न करने की क्या वजह हो सकती है

इसके जवाब में सुलेमान और कासिम ने कहा, आप (आर्थटन) खुद उन पूर्व कप्तानों में से एक हैं जिन्होंने मेरे पिता के समर्थन में हस्ताक्षर किए हैं, और हम इस कदम की बहुत सराहना करते हैं पर मैं पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटरों की स्थिति को समझता हूँ। उन्होंने आगे स्पष्ट किया, मुझे पता है कि उनमें से बहुत से लोग मेरे पिता का बेहद सम्मान करते हैं, लेकिन जिस व्यवस्था में वे रह रहे हैं, वह एक सैन्य तानाशाही जैसी स्थिति है। बेटों ने बताया कि ऐसे माहौल में उनके लिए खुलकर अपनी राय रखना या किसी भी तरह का विरोध जताना बेहद मुश्किल है, क्योंकि ऐसा करने पर उन्हें कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

यह बयान पाकिस्तान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राजनीतिक माहौल पर गहरा प्रकाश डालता है, जहाँ प्रभावशाली व्यक्तियों को भी सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ बोलने पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 2026 डायमंड लीग के फाइनल में जगह बना ली है। सीजन का फाइनल 4 और 5 सितंबर को ब्रसेल्स में आयोजित होगा।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज ने इस सत्र में डायमंड लीग के दो चरणों में हिस्सा लिया। उन्होंने 19 जून को दोहा चरण में 85.69 मीटर के प्रयास के साथ चौथा स्थान हासिल किया था। इसके बाद 21 अगस्त को लाजेन चरण में 88.05 मीटर का सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

नीरज 27 अगस्त को ज्यूरिख चरण में नहीं उतरे, जहां पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा भी कार्यक्रम में शामिल थी। हालांकि, लाजेन में उनके प्रदर्शन ने फाइनल में जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त अंक दिलाए।

नीरज ने इस सत्र में ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भी 85.83 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था।

ब्रसेल्स में होने वाले फाइनल से पहले श्रीलंका के रुमेश थारंगा पाथिरागे भाला फेंक की अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। उन्होंने ज्यूरिख चरण में 92.07 मीटर के शानदार प्रयास के साथ जीत दर्ज की। एंडरसन पीटर्स, केशोर्न वालकाट और कर्टिस थाम्पसन भी खिताब के प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं।

नीरज की नजरें अपने दूसरे डायमंड ट्राफी खिताब पर होंगी। उन्होंने 2022 में डायमंड लीग का खिताब जीता था और इसके बाद तीन बार उपविजेता रहे हैं।

ऐसे मिलते हैं डायमंड लीग में अंक - डायमंड लीग में मई से सितंबर तक 14 चरण होते हैं। प्रत्येक स्पर्धा में शीर्ष आठ खिलाड़ियों को क्रमश: 8, 7, 6, 5, 4, 3, 2 और 1 अंक मिलते हैं।

नीरज ने दोहा में चौथे स्थान के लिए सात और लाजेन में दूसरे स्थान के लिए पांच अंक हासिल किए, जिससे उनके कुल 12 अंक हो गए।

केन्या के जूलियस येगो ज्यूरिख चरण से पहले नौ अंकों पर थे। ज्यूरिख में 81.66 मीटर के प्रयास के साथ पांचवें स्थान पर रहने के बाद उनके 13 अंक हो गए और उन्होंने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया।

मांजरेकर ने कोलंबो टेस्ट ड्रा रहने पर कोच और कप्तान पर तंज कसा

कोलंबो। अपने बेबाक बयानों के कारण विवादों में रहने वाले पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने कोलंबो टेस्ट ड्रा होने पर तंज कसते हुए कहा कि श्रीलंकाई बल्लेबाज सोनल दिनुशा के लिए तालियां बजानी चाहिये। उन्होंने श्रीलंकाई टीम को फालोआन के लिए मजबूर करने के बाद भी जीत हासिल नहीं कर पाने पर निराशा जताते हुए टीम की रणनीति पर ही सवाल उठाये हैं। इस प्रकार उनके निशाने पर कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 509 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की थी, जो एक मजबूत स्कोर था। इसके जवाब में श्रीलंका अपनी पहली पारी में केवल 290 रन ही बना पायी थी जिससे भारतीय टीम को 200 रनों से अधिक की बढ़त मिली थी पर वह उसका लाभ नहीं उठा पायी। गौरतलब है कि फालोआन देना वाली टीम की जीत तय मानी जाती है पर इस बार ऐसा नहीं हो पाया। इसका कारण है कि फालोआन खेलने वाली टीम दबाव में रहती है। हालांकि, कोलंबो टेस्ट में यह धारणा गलत साबित हुई। मैच ड्रा होने के बाद मांजरेकर ने कह, मैच नहीं जीत पाने के लिए कोई भी भारतीय टीम पर सवाल नहीं उठा सकता क्योंकि सोनल ने बल्लेबाजी ही ऐसी की थी, उनके लिए तालियां बनती हैं। मांजरेकर का यह ट्वीट भारतीय टीम की उस रणनीति पर सवाल उठाता है, जिसके तहत वे एक बड़ी बढ़त और फालोआन के बावजूद जीत हासिल नहीं कर पाए। श्रीलंकाई युवा बल्लेबाज सोनल ने इस मैच में एक छोर संभालते हुए भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। सोनल ने अपनी टीम के लिए पहली पारी में 103 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को 290 रनों तक पहुंचाया।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है। अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

दूर करें नाखूनों का पीलापन...

महिलाएं अपने नाखूनों को संवारना पसंद करती हैं। वे इनको ब्राइट और कलरफुल नेल पेंट्स से सजाती हैं लेकिन ये नेल पेंट नाखूनों को नुकसान पहुंचाते हैं जिसकी वजह से नाखून पीले पड़ जाते हैं। ऐसे नाखून देखने में तो खराब लगते ही है साथ ही लुक को खराब कर देते है। इन को छिपाने के लिए फिर नेल पेंट लगाना पड़ता है, लेकिन अब आपको इनको छिपाने की जरूरत नहीं। नींबू आसानी से नाखूनों के पीलेपन को कम कर सकता है। अपने नाखूनों को नींबू के रस में 10-15 मिनट तक डुबोएं और फिर एक मुलायम टूथब्रश से पीले हिस्सों को रगड़ें। इसे तब तक करें जब तक पीलापन दूर न हो जाए। एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा, आधा चम्मच ऑलिव ऑयल और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे अपने पीले नाखूनों पर लगाएं। फिर किसी ब्रश से स्क्रब करें और गुनगुने पानी से धो लें। अपने नाखूनों पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। एक नेल ब्रश की मदद से स्क्रब करें और कॉटन बॉल को गुनगुने पानी में डुबोकर साफ कर लें। नाखूनों को दिन में 2-3 बार संतरे के छिलके से रगड़े और आपको कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगेगा।

चावल के पानी से पाएं ब्यूटी...

क्या आपने चावल के पानी से होने वाले ब्यूटी फायदों के बारे में सुना है। अगर नहीं तो आज हम आपको बता रहे कि आप कैसे चावल की मदद से अपने बालों को खूबसूरत और स्किन को ग्लोइंग बना सकती हैं। अगर आपके बाल हेयर स्ट्रेटनर और कैमिकल्स के ज्यादा इस्तेमाल से खराब हो चुके है तो शैम्पू करने के बाद चावल के पानी से हल्के हाथों से स्कैल्प का मसाज करें। फिर 5 मिनट के बाद इन्हें पानी से धो लें। जब आप अपने बालों को स्ट्रेट करवाती है तो इससे वे काफी कमजोर हो जाते है। ऐसे में बालों की चावल के पानी से मसाज करें। चावल का पानी बालों में चमक लाने का काम करता है। चावल के पानी में रोजमैरी, लैवेंडर या टी ट्री ऑयल्स मिलाएं और इस्तेमाल करें। चावल का पानी न सिर्फ एक कमाल का कंडीशनर है बल्कि शैम्पू का काम भी करता है। इसमें पिसा हुआ आंवला या शिकाकाई मिलाकर बालों को धोएं। इससे बाल खूबसूरत होंगे। चावल के पानी को कॉटन बॉल्स की मदद से पूरे चेहरे और गर्दन पर सर्कुलर मोशन में लगाएं। इसके बाद अपने चेहरे को इसी चावल के पानी से धो लें। चावल के पानी में मौजूद विटामिन और मिनरल्स स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। यह स्किन को ग्लोइंग बनाने का काम भी करता है।

आईलाइनर एक ऐसा जादू है जो आपके लुक को बदल कर आपको ज्यादा कान्फीडेंट बना देता है। आईलाइनर की एक छोटी सी लाइन आपके मेकअप के अंदाज को ही बदल देती है। इसे लगाने के भी बहुत सारे स्टाइलिश तरीके हैं जो आपकी आंखों को खूबसूरत और अट्रैक्टिव बनाते हैं।

छोटी सी लाइन का जादू...

आंखों पर लोगों का ध्यान सबसे पहले जाता है। हर महिला अपनी आंखों को आकर्षक और मोहक बनाना चाहती है, ताकि वह सभी का ध्यान अपनी ओर खींच सके। संभवतः आई लाइनर महिलाओं का सबसे पसंदीदा मेकअप प्रोडक्ट होता है। आंखों में काजल तो हर महिला लगाती है लेकिन काजल के साथ अगर आईलाइनर से आंखों को टचअप दे दिया जाए तो चेहरे का लुक पूरी तरह से बदल जाता है। आंखों पर आईलाइनर लगाना एक कला है। यदि आप इसे ठीक से नहीं लगाती हैं तो यह आपके लुक को संवारने के बजाय उल्टा खराब कर देता है। इसके पीछे का कारण यह है कि अधिकतर को यह नहीं पता होता है कि आंखों में लाइनर, आंखों के आकार और अपने व्यक्तित्व के अनुरूप लगाना चाहिए। आई लाइनर को लगाने के लिए बेशक स्किल की जरूरत पड़ती है। आप इसे कई तरह से लगा सकते हैं। ऑफिस में आपको तैयार होकर जाना पड़ता है, लेकिन ऑफिस के लिए आपको इस तरह की तैयारी करनी होती है जिससे आपको फॉर्मल लुक मिले। ऐसे में आईलाइनर का सिंगल स्ट्रोक अच्छा विकल्प है। यह हमेशा से ही ट्रेंड में है और रहेगा। यदि आपकी आंखे बड़ी हैं तो थोड़ा पतला लाइनर लगाएं वही यदि आपकी आंखे छोटी हैं लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

सिंगल स्ट्रोक

सिंगल स्ट्रोक एक ऐसा लुक है जो हमेशा ट्रेंड में रहता है। ऑफिस में सिंगल स्ट्रोक ही फॉर्मल लुक देता है। आपको शॉपिंग पर जाना हो, तो यह आपके लिए परफैक्ट च्वॉइस है। इसके लिए आप काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। छोटी आंखों के लिए लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

डबल लाइनर

महिलाएं डबल लाइनर को ट्राई करने में थोड़ी झिझक महसूस करती हैं, लेकिन नाइट फंक्शंस के लिए यह लुक एकदम परफैक्ट है। इसमें दो लाइनें आंखों के किनारे से होकर गुजरती हैं। एक ऊपर की पलकों से और दूसरी नीचे की कोल लाइन से। ग्लैमर एड करने के लिए ऊपरी पलक पर इसे थोड़ा पंख जैसा आकार दें।

कलई आईलाइनर

आजकल अलग-अलग कलर्स के आईलाइनर भी काफी इन हैं। इन्हें आप अपनी ड्रेस के साथ मैच करके लगा सकती हैं। इससे आपकी आंखें तो आकर्षक लगेंगी ही, साथ ही आपका लुक भी मॉडर्न दिखेगा।

इंकी ब्लैक आईलाइनर

ब्लैक आईलाइनर के साथ आंखें बेहद खूबसूरत दिखती हैं इसके फैलने का भी डर नहीं रहता। स्कैच की तरह लगने वाला यह लाइनर बड़ी आसानी से लग जाता है।

व्हाइट आईलाइनर

व्हाइट आईलाइनर कूलेस्ट आइवेयर ट्रेंड है। व्हाइट आईलाइनर ड्रॉमैटिक लुक देता है अगर इसे ठीक से अप्लाई किया जाए। व्हाइट आइलाइनर डल और थकी आंखों में भी चमक ला देता है। जैसे आप ब्लैक आईलाइनर का इस्तेमाल करती हैं, वैसे ही व्हाइट लाइनर लगाएं। थोड़ा ग्लैमर एड करना चाहें तो आई कॉर्नर को हल्का ब्लैक टच भी दे सकती हैं।

विंग इट

अगर आप बिल्ली जैसी आंख यानी कैटी आई पाना चाहती हैं तो विंग इट का इस्तेमाल करें। आप इससे बोल्ड भी दिखेंगी और आपका नारीत्व भी खुलकर सामने आएगा। यह ट्रिक बेहद आसान है। ऊपर की पलक पर नीचे की पलक की तुलना में मोटी लाइन बनाएं। इसके बाद आंख के बाहरी कार्नर से लाइन को बाहर की ओर निकाल दें। आपका शानदार लुक तैयार है।

स्मजिंग का प्रचलन

लाइनर को लगाने के बाद उसको स्मजिंग करना काफी प्रचलन में है। यह आपकी आंखों को काफी ग्लैमरस बना देता है। दोनों पलकों पर सामान्य रूप से लाइनर लगाएं। अब इसे थोड़ा स्मजिंग करके मुलायम बनाएं। खासकर निचली पलक और ऊपरी पलके के किनारे को। प्राकृतिक और प्रभावशाली लुक देने के लिए डार्कर शैडो लगाएं और इसे स्मज किए हुए लाइनर के साथ अच्छे से मिला लें।

360 डिग्री

आईलाइनर लगाने का 360 डिग्री एक सामान्य और चर्चित तरीका है। आपको बस अपनी आंख के चारों ओर बराबर और एक जैसा आइलाइनर लगाना होगा। आपका शानदार लुक तैयार हो जाएगा। कैजुअल मेकअप और नाइट गैदरिंग में आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

केक लाइनर

1930 और 40 के दशक में केल लाइनर काफी लोकप्रिय हुआ था। एक बार फिर यह चलन में लौट रहा है। केक लाइनर से आपके चेहरे का लुक काफी बोल्ड और प्रभावी दिखेगा। और तो और इसके लिए किसी विशेष कौशल की भी जरूरत नहीं होती है। बस इतना ध्यान रखें कि आप इसे सिर्फ और सिर्फ आई लाइनर ब्रश से ही लगाएं।

आंखों को कलर करना

हर तरह के ट्रेंड में कलर देखने को मिल रहा है। फिर चाहे यह कपड़ा हो या मेकअप। काले रंग के ऊपर कलर आइ लाइनर लगाना इस समय काफी प्रचलन में है। अपने पहनावे को और ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए अपने ब्लॉउज या टाप के रंग के आई लाइनर का इस्तेमाल करें।

लाइनर के साथ ग्लिटर

फैस्टिव सीजन के लिए ग्लिटर आईलाइनर एक बेहतरीन स्टाइल है। दरहसल ग्लिटरी आई मेकअप ग्लैमर के साथ साथ चमक भी बिखेरता है। यह लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। आपको केवल इतना करना है की आईलाइनर लगाकर उस पर एक लाइन ग्लिटर की एड करनी है।

छोटी आंखों के लिए

यदि आप बिंदास, सुंदर और आधुनिक भारतीय महिला है। इसके अतिरिक्त आप जैसी भी हैं उसमें आप खुश हैं। तो आपका आईलाइनर के प्रति भी आपका नजरिया बोल्ड होना चाहिए। छोटी आंखों पर किनारे तक लिया गया लाइनर बहुत जंचता है। इसके लिए आंखों के किनारे से थोड़ी और ज्यादा लंबी लाइन बनाएं।

स्लिम लुक के लिए ऐसे चुनें कुर्ती...

महिलाएं अक्सर अपने आऊटफिट खरीदते वक्त उसके कलर और डिजाइन्स को देखती हैं। इसी गलती के कारण वे गलत आऊटफिट का चुनाव कर लेती हैं और जो उन पर बिल्कुल सुट नहीं करता। अगर आप भी अपनी कोई कुर्ती खरीदते समय ऐसा करती है तो हम आपको कुछ ऐसी बाते बताएंगे, जिससे आप सही कुर्ती भी खरीद सकेंगी और स्लिम भी दिखेंगी।

साइज का ख्याल

किसी भी आऊटफिट को खरीदते समय साइज का ध्यान जरूर रखें। पहले अपना साइज देख लें और अपनी फिटिंग के हिसाब से कुर्ती खरीदें। कोशिश करें कि अपनी साइज से एक इंच लंबी कुर्ती ही लें।

चिपकने वाले फैब्रिक्स

कभी भी ऐसे फैब्रिक्स न खरीदें जो आपकी बॉडी से चिपक जाए, क्योंकि यह मटीरियल आपको मोटा दिखाने के साथ-साथ आपके सारे कर्व्स भी उभारेगा।

बॉटम चुनें

अगर आप कुर्ती को स्टाइलिश लुक देना चाहती हैं तो इसे पलाजो और पटियाला जैसे अलग-अलग बॉटम वेयर के साथ पहनें। अगर आपकी हाइट छोटी है तो इसे लेगिंग के साथ कैरी करें।

स्ट्रेट कट

अनारकली, ए-लाइन और फ्लेयर-कट्स वाली कुर्ती में आप कभी भी स्लिम नहीं दिखेंगी। अगर आप स्ट्रेट कट वाली कुर्ती पहनेंगी तो आप स्लिम दिख सकती हैं और हाई नैक या ज्यादा कढ़ाही वाली कुर्ती तो बिल्कुल न पहने।

हैवी फैब्रिक

स्टार्च्ड कॉटन, ज्यादा कढ़ाही वाले कपड़े आपकी बॉडी को भारी और बड़ा दिखाते हैं। इसलिए सिंपल, लाइट और कम चमकीली कुर्ती का चुनाव करें।

स्लीव्स पर दें ध्यान

फुल स्लीव्स आपको मोटा दिखाती हैं, इसलिए शॉर्ट स्लीव्स ही पहनें ताकि आप स्लिम लगें। अगर आपको फुल स्लीव्स का शौक है तो आप 5 इंच की स्लीव पहन सकती है।

इनरवेयर

इनरवेयर की सही फिटिंग होगी तो ही कुर्ती की फीटिंग अच्छी होगी। हमेशा कुर्ती के अंदर एक अच्छी टी-शर्ट ब्रा और लो-कट लेस ब्रा ही पहनें। इससे फीटिंग परफेक्ट आएगी।

जापानियों की तरह बनाएं खाना...

पतले होने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। जिम, योग और स्लीमिंग कैप्सूल आम बात हो गई है। जंक फूड़ खाकर बच्चों के साथ अब तो बड़े भी मोटापे का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि ऐसा खाना बनाया और खाया जाए जो स्वास्थ्य के लिए अच्छा हो। इसके लिए हम जापानी तरीके अपना सकते हैं। ये लोग अपना भोजन इस तरह पकाते हैं कि इनका प्राकृतिक स्वाद और रंग नहीं बदलता। वहां के रेस्तराओं में भी खाने को इस तरह पकाया जाता है कि सब्जियां देखने में बिल्कुल ताजी दिखती हैं। हम स्वस्थ भोजन के मामले में जापानी लोगों से बहुत कुछ सीख सकते हैं। उनके यहां खाना पकाने का अंदाज भी निराला है।

नाम मात्र का तेल

जापान में पालक, चावल, भाप में पकी हुई मछली, हर चीज को बेहद प्राकृतिक तरीके से पकाया जाता है। आचार को सिरका और नमक से बनाया जाता है। खाने में तेल नाम मात्र का प्रयोग किया जाता है। भारत में नाश्ते और लंच के बाद चाय-कॉफी का ज्यादा इस्तेमाल होता है। वहीं जापानी महिलाएं सुबह का नाश्ता करने के बाद चाय-कॉफी जैसी चीजें नहीं लेतीं। काम करने के दौरान भी वे इन चीजों से परहेज रखती हैं। जहां तक खाने की बात है तो खाना कई हिस्सों में थोड़ा-थोड़ा खाया जाता है। एक साथ एक बार में पेट भर खाने की बजाय पूरे दिन थोड़ा-थोड़ा खाना बेहतर होता है। इसमें भूख भी शांत रहती है। नतीजतन हम फालतू चीजें नहीं खाते। ऐसे खाने में शरीर की पाचन क्रिया पूरे दिन सक्रिय रहती है। इससे हम स्वस्थ व पतले रहते हैं।

पानी की ज्यादा मात्रा

जापान के हर घर में जो खाना बनता है उसमें पानी की मात्रा ज्यादा होती है। चाहे वह हरी सब्जियां हों, मछली हो, या फिर नूडल्स। यही इन्हें स्वस्थ रखने में मदद करता है। खाने में सूप और सब्जियां खाना पचाने में मदद करते हैं और पाचन क्रिया भी सही रहती है। पानी की अधिक मात्रा से खाना जल्दी पकता है। खाना भी हेल्दी रहता है। क्योंकि पानी की ज्यादा मात्रा हमे ओवरइटिंग से बचाती है।

डेयरी उत्पाद कम

जहां तक डेयरी उत्पाद की बात है तो जापान में इसकी खपत काफी कम है। ज्यादा डेयरी उत्पाद वजन बढ़ाते है। मगर इसकी जगह वहां हरी सब्जियों और मछली का इस्तेमाल किया जाता है, जो उनके खाने में कैल्शियम की भरपाई कर देते हैं। ज्यादातर देशों यहां तक कि भारत में खाने में अत्याधिक तेल का इस्तेमाल किया जाता है। मगर जापानी भोजन में तेल का इस्तेमाल बेहद कम मात्रा में किया जाता है जिससे लोग मोटापे का शिकार होने से बचते हैं। खाने में अधिक तेल मोटापा और दिल की बीमारियां पैदा करता है।

मीठे का कम इस्तेमाल

खाने के बाद मीठा खाना हर भारतीय को पसंद है। मगर जापान में मीठे व्यंजन भी बेहद कम खाए जाते हैं। इसलिए यह ज्यादा हानिकारक नहीं होता। वहां ज्यादातर मीठे का बहुत ही कम मात्रा का पैकेट बनाया जाता है, जो फायदेमंद होता है। इस तरह हम जान सकते हैं कि सुपाच्य और स्वस्थ भोजन का मतलब क्या है?

जानें नियमित सैर के क्या हैं फायदे

डिप्रेशन

शोध के अनुसार जो लोग हर सप्ताह 6-9 मील चलते हैं उनमें बढ़ती उम्र के साथ याददाश्त कम होने की डिमेंशिया जैसी समस्या की आशंका कम हो जाती है।

डायबिटिज

डायबिटिज में आहार पर नियंत्रण करने से काफी राहत मिलती है। यदि इसके साथ-साथ हर दिन 30 मिनट पैदल चलना शुरू किया जाए, तो टाइप-2 डायबिटिज के खतरे को भी कम किया जा सकता है।

हृदय रोग

हर दिन 30 मिनट की सैर हृदय रोग के खतरे को भी कम करती है। साथ ही इससे तनाव, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर पर काबू पाने में भी मदद मिलती है।

दर्द में राहत

हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द होने पर भी पैदल चलना एक कारगर उपाय है। इससे दर्द में राहत मिलती है। शरीर की कार्यप्रणाली दुरुस्त होती है और गतिशीलता आती है।

कैंसर

प्रति सप्ताह पैदल चलना ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ितों में मोर्टेलिटी (मृत्यु दर) के खतरे को 50 प्रतिशत कम करता है।

प्रति सप्ताह पैदल चलने वाले प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों में मोर्टेलिटी की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। जो महिलाएं नियमित सैर करती हैं उनमें कोलेन कैंसर की आशंका व्यायाम या सैर न करने वाली महिलाओं की तुलना में 31 प्रतिशत कम हो जाती है।

तनाव से राहत

सुबह या शाम की सैर एंडोरफिंस नामक न्यूरोपेप्टाइड्स को सक्रिय करती है। इससे शरीर को आराम मिलता है, बेचैनी और चिड़चिड़ेपन जैसे लक्षणों में भी सुधार होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**